

यूपी के 1500000 किसान की पीएम सम्मान निधि पर संकट, जौनपुर समेत इन जिलों के लाभार्थियों की रुक सकती है किश्त

संवाददाता लखनऊ। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के सत्यापन में कृषि और अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही ने 15.75 लाख किसानों के लाभ पर संकट खड़ा कर दिया है। भारत सरकार ने लाभार्थियों में संदिग्ध मामलों का विवरण पिछले वर्ष प्रदेश सरकार को भेजा था और इसके सत्यापन के लिए कहा गया था। परंतु अब तक यह काम पूरा नहीं हुआ, सभी 75 जिलों में प्रकरण निस्तारण के लिए लंबित हैं और इनमें जौनपुर सबसे पीछे चल रहा है। सम्मान निधि योजना की शुरुआत के समय उत्तर प्रदेश 1.88 करोड़ किसानों को इसका लाभ मिला था। इसके बाद सत्यापन और जांच के चलते अपात्रों के नाम कम होते गए। 15,35,858 मामले सत्यापन के लिए लंबितपिछले वर्ष भारत सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के 24.32 लाख ऐसे लाभार्थियों का जिलेवार विवरण भेजा था, जो पात्रता के लिहाज से संदिग्ध थे। 18 सितंबर को प्रमुख सचिव कृ



षि द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि संदिग्ध प्रकरणों में वर्तमान में तीन प्रमुख श्रेणियों में 15,35,858 मामले सत्यापन के लिए लंबित हैं। इनमें सबसे अधिक 10,19,117 मामले पूर्व भूमि स्वामी की अपूर्ण पहचान से जुड़े हैं। 2,74,742 मामले विरासत के अलावा अन्य कारणों से नामांतरण और 2,41,999 मामले पूर्व एवं वर्तमान दोनों भूमि स्वामी का डाटा दर्ज होने से संबंधित हैं। सिर्फ 18,547 मामलों में प्रगति दर्ज इनके अलावा नाबालिग लाभार्थी व एक ही

परिवार के दो लोगों द्वारा लाभ लेने के भी संदिग्ध मामले हैं। न पांच श्रेणियों में कुल 15,98,140 मामले दर्ज हैं, जिनमें 15,75,413 मामले लंबित हैं। इनमें भी 31 जुलाई से आठ सितंबर के बीच इन श्रेणियों में केवल 18,547 मामलों में प्रगति दर्ज की गई। जिलों में जौनपुर में 83,841 मामले लंबित हैं। इनमें अकेले 55,112 मामले पूर्व भूमि स्वामी के विवरण से संबंधित हैं। इसके बाद सीतापुर में 58,042, आजमगढ़ में 56,959, प्रतापगढ़ में 56,508 और सुलतानपुर में 55,970 मामले लंबित

हैं। पांचों जिलों को मिलाकर लंबित मामलों की संख्या 3,11,320 है। इनके अलावा 47 जिलों में 20 हजार तक, 15 जिलों में 20 से 30 हजार, पांच जिलों में 30 से 40 हजार और तीन जिलों में 40 से 50 हजार के बीच मामले लंबित हैं। आदेश में सभी लंबित मामलों का शत-प्रतिशत सत्यापन जल्द कराने को कहा गया है। यह भी कहा गया है कि सम्मान निधि की अगली किस्त जारी होने से पहले निस्तारण न होने पार संदिग्ध मामलों के निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है।

बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला

एजेंसी। दिल्ली। बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनावी हार पर मंथन करने के बजाय कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। ईरानी ने पूछा कि वोटर लिस्ट से मृत और फर्जी नाम हटाने की प्रक्रिया पर कांग्रेस क्यों ऐतराज जता रही है। भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार पर विचार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरानी ने वोटर लिस्ट में बदलाव और उसे अपडेट करने के बारे में विपक्ष की हालिया टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस विचार का जिक्र

किया कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध तो होता है, लेकिन अहम लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमले



नहीं होने चाहिए। ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है उनकी आलोचना करें, उन पर हमला करें, लेकिन इस हमले को संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र पर हमले में न बदलने दें। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व भारत के संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वोटर लिस्ट

अपडेट में 13.3 करोड़ एंट्रीज के बारे में कांग्रेस के दावों पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि चुनाव

नाम हैं, तो कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि मृत लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं? कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि डुप्लीकेट एंट्रीज बनी रहें? उन्होंने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में कांग्रेस के रवैये पर भी सवाल उठाए, जहाँ गैर-बीजेपी सरकारें सत्ता में हैं। उन्होंने पूछा कि क्या पार्टी उन इलाकों में भी चुनाव आयोग के लिए वही पैमाने अपनाती है कांग्रेस द्वारा आजादी से पहले के लाहौर अधिवेशन का जिक्र किए जाने को खारिज करते हुए, ईरानी ने इंडियन नेशनल कांग्रेस की शुरुआत का जिक्र किया और औपनिवेशिक हितों की रक्षा के लिए इसके गठन में ब्रिटिश अधिकारी ए.ओ. ह्यूम की भूमिका को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश साम्राज्य की रक्षा के लिए लिस्ट को ठीक करने के विरोध में चुनाव आयोग पर हमला कर रही है... इससे ज्यादा शर्मनाक बात और क्या हो सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करेगी-आप

एजेंसी। दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में होने वाली आप इण्डिया ब्लॉक की बैठक से दूरी बना ली है। पार्टी सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि 1।7 गठबंधन का हिस्सा नहीं है, लेकिन संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने यूपी में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा। आम आदमी पार्टी (1।7) ने घोषणा की है कि वह दिल्ली में बुधवार को होने वाली फक्क। ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होगी। इस बैठक का मकसद चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। फक्क। ब्लॉक की इस बैठक में चुनाव में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन पर विचार किया जाना है। हालांकि, 1।7 के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पार्टी इसके बजाय संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करेगी। सिंह ने कहा कि

आम आदमी पार्टी पहले ही साफ कर चुकी है कि हम फक्क। गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए ऐसी बैठक में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आगे कहा, प्हांहां तक घम्युख्य चुनाव

है, तो हम सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर यह लड़ाई लड़ेंगे। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के भी विपक्षी बैठक से दूरी बनाने की खबरों पर सिंह ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और उस

यादव को कैसे परेशान कर रही है। आज हमने सुना कि कांग्रेस 150 सीटें चाहती है। कभी वे कहते हैं कि वे सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो कभी कहते हैं कि उन्हें 200 सीटें चाहिए। क्या वे बीजेपी से लड़ रहे हैं या समाजवादी पार्टी से? उनके बयानों से ऐसा लगता है जैसे वे समाजवादी पार्टी से ही लड़ रहे हों। यह राजनीतिक विवाद श्रद्धा इंडियन एक्सप्रेस की एक खोजी रिपोर्ट के बाद और बढ़ गया। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संघू



आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग का सवाल है, हम पहले ही उस पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। अगर संसद में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाता है और कोई कार्रवाई होती

पर उत्तर प्रदेश में यादव और समाजवादी पार्टी के लिए मुश्किलें पैदा करने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा कि हम देख रहे हैं कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और अखिलेश

और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान स्टेटवाइड इंटर-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से जुड़े फैंसलों और तीर-तरीकों पर कम से कम 14 बार आपत्तियां जताई थीं।

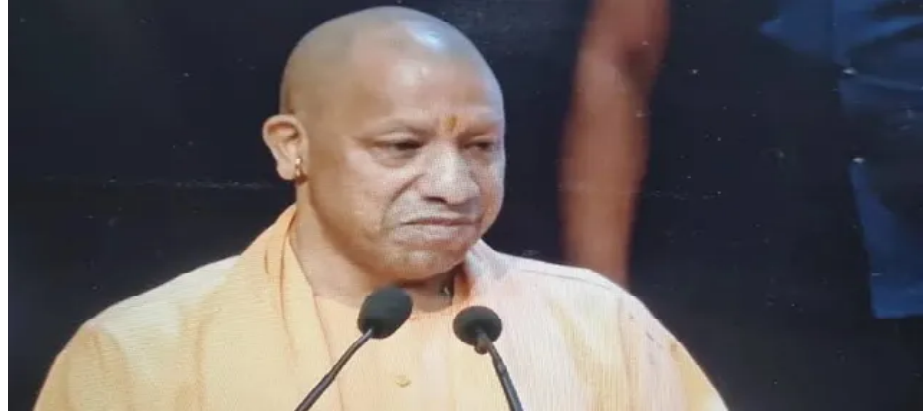
एआइएसएचई आंकड़ों की सटीकता पर योगी सरकार का जोर, यूपी में शिक्षा योजनाएं होंगी बेहतर

संवाददाता। लखनऊ। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने एआइएसएचई (अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण) में प्रत्येक जानकारी को मूल अभिलेखों से जांचकर ही दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को राज्य स्तरीय एआइएसएचई कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा से जुड़े सही और समय पर उपलब्ध आंकड़े ही नए संस्थान, शिक्षकों और संसाधनों की जरूरत तय करने का आधार बनेंगे। इसलिए में आंकड़े भरने को केवल औपचारिकता न माना जाए। डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं और नीतियां उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर बनती हैं। गलत या अधूरी जानकारी से योजना निर्माण प्रभावित हो सकता है। विश्वविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालयों और संस्थानों का एआइएसएचई डाटा नियमित रूप से अपडेट कराएं। कई संस्थान एआइएसएचई कोड मिलने के बाद समय पर

डाटा नहीं देते, जिससे उनका स्टेटस निष्क्रिय हो सकता है और विद्यार्थियों पर असर पड़ सकता है। पोर्टल खुलने के बाद अंतिम

रहे। लक्ष्य जीरो पेंडेंसी का होना चाहिए।अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अमित कुमार घोष ने कहा कि एआइएसएचई डाटा पूरे संस्थान

एनालिसिस अधिक महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. मोनिका सिंह, आरएमएलएनएलयू के कुलपति



तिथि का इंतजार न करें। उन्होंने नामांकन, रिक्तियों, पाठ्यक्रम, परीक्षा, परिणाम और आधारभूत ढांचे की जानकारी का मूल रिकार्ड से मिलान करने और अंतिम अनुमोदन से पहले क्रास-वेरिफिकेशन और जरूरत के अनुसार रैंडम जांच के निर्देश दिए। कहा कि कोई पात्र और संचालित संस्थान प्रशासनिक लापरवाही से सर्वे से बाहर न

की जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय और एआइएसएचई रिकार्ड में एकरूपता, संबद्धता सूची के मिलान और गलत या दोहरी रिपोर्टिंग रोकने के लिए अभिलेखों की जांच जरूरी है।असामान्य बदलाव की भी समीक्षा हो। कार्यशाला के सुझावों के आधार पर एसओपी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि डाटा अपलोड करना प्रक्रिया है, जबकि उसका विश्लेषण और गैप

प्रो. डा. अमर पाल सिंह, एआइएसएचई की अपर महानिदेशक संगीता नर्मदेश्वर, रजिस्ट्रार केशव कुमार, राज्य नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा और उच्च शिक्षा परिषद की अपर सचिव डा. दिनेश के राजपूत समेत अधिकारी व विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा ने 6 प्रत्याशी किए घोषित, गोरखपुर-फैजाबाद से ध्रुव त्रिपाठी को मौका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव 2026 भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव 2026 के लिए स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के अधिकृत उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। वाराणसी स्नातक से केदार नाथ सिंह, इलाहाबाद झांसी स्नातक से अशोक कुमार राठौर, वाराणसी शिक्षक से प्रमोद मिश्रा, आगरा शिक्षक से हरि किशोर तिवारी और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक से ध्रुव त्रिपाठी को मौका दिया गया है। बीजेपी की तैयारी उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 शिक्षक और स्नातक सीटों पर चुनाव के लिए भाजपा पूरी ताकत झोंकने जा रही है। कोशिश है कि उत्तर प्रदेश में

विधान सभा चुनाव से पहले हो रहे इस चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके। पार्टी ने इसके लिए सामान्य चुनाव की तर्ज ही मतदान प्रबंधन की रणनीति बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शिक्षक-स्नातक चुनाव में भी पन्ना प्रमुख व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठकें और विधान सभा स्तर पर शिक्षक-स्नातक सम्मेलन तत्काल शुरू करने के लिए भी कहा गया है। कब हैं चुनाव विधान परिषद की 11 सीटों के लिए मतदान



23 अक्टूबर को और मतगणना 27 अक्टूबर को की जाएगी। विधान परिषद के अंतर्गत खंड स्नातक के पांच और खंड शिक्षक के छह निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होंगे। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर फिर ध्रुव त्रिपाठी पर भाजपा का भरोसा गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा

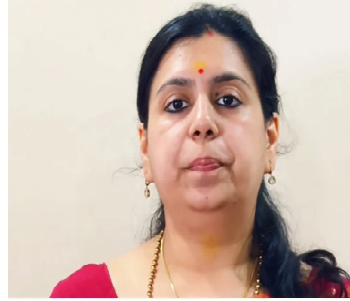
ने एक बार फिर ध्रुव कुमार त्रिपाठी पर भरोसा जताया है। लगातार तीन बार इस सीट से निर्वाचित रहे ध्रुव कुमार त्रिपाठी अब भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। लंबे समय से उनके भाजपा से समर्थन हासिल करने की चर्चा चल रही थी।

आईएसएस पद से इस्तीफा देने वाली दिव्या मित्तल ने किया अपनी सियासी पारी का ऐलान, यूपी से शुरू करेंगी चुनावी राजनीति

संवाददाता। लखनऊ। दिव्या मित्तल ने एक दूरदराज के गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के ग्रामीण पांचवीं कक्षा के आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, लेकिन वर्षों गुजर जाने के बाद भी विद्यालय का निर्माण शुरू नहीं हो सका। पूर्व आईएसएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने आज सक्रिय राजनीति में उतरने का ऐलान कर उत्तर प्रदेश की सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है। मित्तल ने साफ किया कि वह किसी स्थापित राजनीतिक दल के सहारे नहीं, बल्कि स्वतंत्र मंच के जरिए जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत इसी प्रदेश से होगी। एक वीडियो संदेश में दिव्या मित्तल ने बताया कि प्रशासनिक सेवा के दौरान जनता के बीच काम करते हुए उन्हें कई ऐसी हकीकतों का सामना करना पड़ा, जिसने उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना

था कि सरकारी मंजूरी, धन और नियम-कायदे मौजूद होने के बावजूद आम लोगों की अनेक समस्याएं वर्षों तक जस की तस पड़ी रहती हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों की आवाज सरकार

सका। मित्तल के अनुसार, इस मामले में धन या नियमों की अड़चन नहीं थी, बल्कि इरादे की कमी सबसे बड़ी बाधा थी। उन्होंने एक भूमिहीन लाभार्थी का मामला भी सामने रखा, जिसे सरकारी दस्तावेजों में जमीन का आवंटन तो हो चुका था, लेकिन उसे जमीन पर वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया। मित्तल ने दावा किया कि जांच में रिपोर्टों में अनियमितताएं सामने आईं और सुधारात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन इसके बावजूद मामला आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने ऐसे मामलों में कथित तौर पर ऊपरी स्तर के



तक पहुंच ही नहीं पाती और जिनकी आवाज पहुंचती भी है, उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाती। मित्तल ने एक दूरदराज के गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के ग्रामीण पांचवीं कक्षा के आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, लेकिन वर्षों गुजर जाने के बाद भी विद्यालय का निर्माण शुरू नहीं हो

हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब किसी व्यक्ति को कानून और सरकारी व्यवस्था के तहत राहत मिलनी तय हो, तब भी उसे अपने अधिकार के लिए भटकना पड़े तो व्यवस्था पर सवाल उठाना स्वाभाविक है।राजनीति में उनके पीछे अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए मित्तल ने ग्रामीण क्षेत्रों की बदहाल आधारभूत सुविधाओं, असुरक्षित सड़कों, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं

और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में रोजगार की चुनौतियों को प्रमुख मुद्दा बताया। उनका कहना है कि इन विषयों पर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि गंभीर सार्वजनिक बहस और दीर्घकालिक नीति की जरूरत है। दिव्या मित्तल ने कहा कि वह ऐसी राजनीति करना चाहती हैं जिसमें इरादा, न्याय, संवेदनशीलता और दूरगामी सोच केंद्र में हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल मौजूदा नेताओं को हटाकर नए चेहरों को स्थापित करना नहीं है, बल्कि राजनीति के काम करने के तरीके में बदलाव लाना है। किसी राजनीतिक दल में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए मित्तल ने कहा कि वह सीधे जनता के साथ काम करेंगी और अपना स्वतंत्र राजनीतिक मंच तैयार करेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इस्तीफे के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं, जिनका उद्देश्य नए लोगों को सार्वजनिक जीवन में आने से हतोत्साहित करना था।

पर्यटन की कार्ययोजना का परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए-जयवीर सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही डेलॉयट संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि तैयार की गई कार्ययोजना का परिणाम धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने पिछले करीब दो वर्षों में संस्था की ओर से संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर जल्द से जल्द काम शुरू करने के निर्देश दिए। पर्यटन भवन, गोमतीनगर के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में पर्यटन मंत्री ने कहा कि नैमिषारण्य और आसपास के प्रमुख तीर्थ स्थलों के साथ ही विंध्याचल धाम तथा चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर रात्रि निगरानी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि इन कैमरों की स्थापना 15 नवंबर तक पूरी कर दिसंबर तक उन्हें चालू करने का हरसंभव प्रयास किया जाए। इससे पर्यटकों के आगमन की वास्तविक और तथ्यात्मक गणना हो सकेगी। उन्होंने प्रदेश में संचालित रेस्तरां और ढाबों की संख्या का भी आंकड़ा जुटाने तथा पर्यटन के 14 परिपथों के अंतर्गत 60 जिलों के वास्तविक आंकड़े और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से संबंधित तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश

अवस्थी और वरिष्ठ विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। जयवीर सिंह ने डेलॉयट संस्था को काशी, विंध्याचल धाम और नैमिषारण्य में निवेश तथा पर्यटन संसाधनों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल योजना बनाना पर्याप्त नहीं है, उसके क्रियान्वयन पर भी उतना ही ध्यान दिया जाना चाहिए।पर्यटन मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में व्यापक बदलाव आए हैं। कानून-व्यवस्था के साथ कनेक्टिविटी में भी सुधार हुआ है। उन्होंने प्रदेश के 14 पर्यटन परिपथों से जुड़े प्रमुख स्थलों का विभिन्न सामाजिक माध्यमों और रोड शो के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने बताया कि जल्द ही विंध्याचल धाम और नैमिषारण्य में पर्यटकों के आगमन तथा उनके अनुभवों पर आधारित अभियान चलाया जाएगा। इस पर मंत्री ने कहा कि पर्यटकों की संख्या से संबंधित आंकड़े वास्तविक और प्रमाणिक होने चाहिए।उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा पर्यटन पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। लखनऊ समेत बड़े जिलों में चिकित्सा पर्यटन बढ़ रहा है और इसमें विदेशी पर्यटकों की संख्या भी उल्लेखनीय है। डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने बताया कि पिछले

तीन वर्षों में करीब एक हजार होटलों के मानचित्र स्वीकृत हुए हैं। इन होटलों के संचालन में आने से पर्यटकों के ठहराव में वृद्धि होगी और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।बैठक में बताया गया कि महिंद्रा हॉलीडेज ने वाराणसी और अयोध्या में 500 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। इसी प्रकार इमैजिका वर्ल्ड एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने ग्रेटर नोएडा में 400 करोड़ रुपये, टक्साल थियेटर ने वाराणसी में 295 करोड़ रुपये, राजदीप इफ्रा एंड सेल्स ने लखनऊ में 200 करोड़ रुपये तथा आईटीसी होटल्स ने लखनऊ में 350 से 400 करोड़ रुपये के सेवा क्षेत्र में निवेश का प्रस्ताव दिए।बैठक में बताया गया कि अयोध्या, लखनऊ और मथुरा में सर्वाधिक निवेश प्राप्त हुआ है। जयवीर सिंह ने कहा कि एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में पर्यटन क्षेत्र मजबूत विकास इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसके लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार, निजी निवेश बढ़ाने और पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई पर्यटन नीति प्रस्तावित की गई है, जिसे जल्द अंतिम रूप दिया

जाएगा।डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने बताया कि पर्यटकों के आगमन और वस्तु एवं सेवा कर से प्राप्त राजस्व के आंकड़े सकारात्मक हैं। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा और चित्रकूट में पर्यटकों का सर्वाधिक आगमन हुआ है, जिसके चलते होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रतिनिधियों के अनुसार जून 2026 तक करीब 58 करोड़ पर्यटकों ने प्रदेश का भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को नई रणनीति के साथ विकसित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने डेलॉयट संस्था को कार्ययोजना के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के आगमन से जुड़े आंकड़े तथ्यपरक होने चाहिए। उन्होंने अयोध्या, चित्रकूट, विंध्याचल धाम और नैमिषारण्य को लेकर भी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प है और इस लक्ष्य को हासिल करने में पर्यटन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।उपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छोटे किसानों को छह लाख तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत ब्याज पर

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की ओर से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के सफल क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित मार्स हॉल में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का नेतृत्व सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जे.पी.एस. राठौर ने किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र लघु एवं सीमांत किसान तक पारदर्शी, सरल और सुगम प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचाया जाए।सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से 23 सितंबर 2026 से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का प्रदेशव्यापी संचालन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के लिए राज्य सरकार ने 384 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है और आगामी पांच वर्षों में प्रदेश के पांच लाख लघु एवं सीमांत किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक को भी नई गति मिली है और छोटे तथा आर्थिक रूप से कमजोर किसानों के लिए यह योजना महत्वपूर्ण सहारा बनेगी।योजना के तहत पात्र किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। यह ऋण पांच वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए दिया जाएगा और किसानों को छह प्रतिशत की प्रभावी वार्षिक ब्याज दर पर ऋण सुविधा मिलेगी। समय से ऋण की किस्तों का भुगतान करने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए ऋण की अदायगी आसान मासिक किस्तों में करने की व्यवस्था की गई है।जे.पी.एस. राठौर ने अधिकारियों से कहा कि योजना की जानकारी अधिक से अधिक पात्र किसानों तक पहुंचाई जाए। ऋण स्वीकृति और वितरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने के साथ पात्र किसानों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।कार्यशाला के दौरान उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के प्रबंध निदेशक आर.के. कुलश्रेष्ठ ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने आवेदन करने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पात्रता संबंधी प्रावधान और आवेदन के निस्सारण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से समझाया। इसका उद्देश्य प्रदेशभर में किसानों को ऑनलाइन आवेदन की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराना और योजना के क्रियान्वयन को सुचारु बनाना है।कार्यशाला में प्रमुख सचिव सहकारिता अजय शुक्ल, रजिस्ट्रार सहकारिता कुमार प्रशांत, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार, एलडीबी अध्यक्ष विवेक सिंह तोमर, पीसीएफ के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रभूषण त्रिपाठी, अतिरिक्त बैंकिंग सहकारिता अनिल कुमार सिंह, एलडीबी के प्रबंध निदेशक आर.के. कुलश्रेष्ठ सहित प्रदेश की विभिन्न एलडीबी शाखाओं के अध्यक्ष और अधिकारी मौजूद रहे।

स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं -केशव मोर्य

लखनऊ (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है। केवल तत्काल स्वाद के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल की खपत और चीनी का सेवन कम करने के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने मार्च 2026 में भी चीनी का सेवन कम करने और खाना पकाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत कमी लाने का आह्वान किया था।केशव प्रसाद मोर्य मंगलवार को होटल क्लार्क अव्ा में आयोजित एक खाद्य संबंधी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक खाद्य संस्कृति में पहले से ही अनेक पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल रहे हैं, जिन्हें आधुनिक जीवनशैली में फिर से अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। गांवों में बचपन से खाए जाने वाले चना, सरसों का साग, मक्के और बाजरे की रोटी जैसे खाद्य पदार्थ अब बड़े होटलों के मेन्यू में भी दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और भोजन की गुणवत्ता को लेकर सजगता का

संकेत है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीअन्न और मिलेट्स हमारी पारंपरिक खाद्य विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाए जाने से श्रीअन्न के प्रति देश और दुनिया में जागरूकता बढ़ी है। मोटे अनाज पौष्टिक होने के साथ किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इनके उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सकती है।न्होंने प्राकृतिक और जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि उपभोक्ता अब खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उत्पादन पद्धति को लेकर पहले की अपेक्षा अधिक जागरूक हैं। प्राकृतिक तरीके से तैयार उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। किसानों को भी इस बदलती मांग का लाभ मिलना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के लिए उचित बाजार उपलब्ध कराने को सरकार लगातार प्रयास कर रही है।केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि संतुलित आहार केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। बच्चों की खान-पान की आदतें परिवार के बड़े सदस्यों के व्यवहार से भी प्रभावित होती हैं। यदि अभिभावक स्वयं स्वस्थ और संतुलित भोजन अपनाएं तो बच्चों में भी अच्छी खान-पान की आदतें विकसित होंगी।

भोजन में स्वाद के साथ उसकी गुणवत्ता, पोषण और स्वच्छता का भी ध्यान रखना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि सरकार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर पूरी तरह सजग है। समय-समय पर अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों की जांच और आवश्यक कार्रवाई की जाती है। खाद्य पदार्थों का निर्माण, बिक्री और वितरण करने वालों को भी समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ खरीदते समय उसकी गुणवत्ता और शुद्धता की जानकारी प्राप्त कर जागरूकता के साथ खरीदारी करनी चाहिए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और स्वयं सहायता समूहों की ताकत का उपयोग गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद तैयार करने और उन्हें बाजार उपलब्ध कराने में किया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उत्पाद तैयार कर उन्हें बेहतर बाजार से जोड़ने से किसानों और ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकते हैं।उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ने के साथ फलों, सब्जियों और अन्य शीघ्र खराब होने वाले उत्पादों के भंडारण और प्रसंस्करण की आवश्यकता भी बढ़ती है। पर्याप्त भंडारण और

प्रसंस्करण सुविधाओं के अभाव में कई बार किसानों की उपज खेत और बाजार के बीच ही खराब हो जाती है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार भंडारण क्षमता बढ़ाने के साथ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को भी लगातार प्रोत्साहित कर रही है।केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। किसानों की उपज को प्रसंस्कृत कर मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलने से किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के अवसर सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। प्रदेश सरकार निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ इस क्षेत्र को संभावनाओं का पूरा उपयोग करने की दिशा में काम कर रही है।उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित, स्वस्थ और संतुलित भोजन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सरकार, खाद्य उत्पादकों, व्यापारियों, विशेषज्ञों, अभिभावकों और आम नागरिकों को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि केवल तत्कालिक स्वाद को प्राथमिकता देने के बजाय अपने और आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर भोजन का

डा.भास्कर शर्मा को मिला सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार

प्रयागराज। होम्योपैथी चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सिद्धार्थनगर के प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा को सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान "होम्योपैथी में अप्लास्टिक एनीमिया रु एक समीक्षात्मक अध्ययन" विषय पर प्रस्तुत उनके शोध-पत्र के लिए प्रदान किया गया है।डॉ. भास्कर शर्मा के शोध-पत्र को उसकी उत्कृष्ट गुणवत्ता, मौलिकता, वैज्ञानिक महत्त्व तथा शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के रूप में चुना गया। यह शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान एवं समीक्षा पत्रिका के सितंबर 2026 के अंक में प्रकाशित हुआ है। शोध-पत्र में अप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रक्त संबंधी रोग के संदर्भ में होम्योपैथी से संबंधित उपलब्ध साहित्य और पूर्व में किए गए अध्ययनों की समीक्षात्मक जानकारी प्रस्तुत की गई है। शोध में उपलब्ध तथ्यों, प्रकाशित साहित्य तथा विभिन्न अध्ययनों का विश्लेषण करते हुए विषय को वैज्ञानिक एवं शोधपरक दृष्टिकोण से समझाने का प्रयास किया गया है।

प्रयागराज। बार एसोसिएशन द्वारा राजस्व परिषद पुस्तकालय में नव नियुक्त न्यायिक सदस्यगणों का स्वागत समारोह सम्पन्न हुआ। स्वागत समारोह का अध्यक्ष डाॅ॰ एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ॰प्र॰ प्रयागराज के अध्यक्ष डाॅ॰ बाल कृष्ण पाण्डेय ने किया।समारोह में बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के साथ बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सैकड़ो अधिवक्तों ने नव नियुक्त सदस्यगणों का

माला पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए सदस्य न्यायिक प्रभारी अमृत त्रिपाठी आई॰एस॰एस॰ ने उपस्थित अधिवक्तागणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे सर्विस काल के दौरान जिस तरह से राजस्व परिषद के अधिवक्ताओं ने स्वागत के लिए मैं बार एसोसिएशन के समस्त पदाधिाकारियों एवं उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हृदय से आभार प्रकट करते हुए कहा कि हूँयाय प्रक्रिया को गति देने के लिए बार एवं अधिवक्ताओं की सहभागिता एवं सहयोग की अपील की है। स्वागत समारोह में प्रेम प्रकाश सिंह आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्य, राजेन्द्र सिंह आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्य, डॉ॰ विश्राम आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्यों के द्वारा बार एसोसिएशन एवं अधिवक्तों के प्रति आभार प्रकट किया है। समारोह का संचालन



बार एवं अधिवक्ताओं के सहयोग से ही न्याय प्रक्रिया में गति- अमृत लिपाठी सदस्य न्यायिक प्रभारी

प्रयागराज। बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ॰प्र॰ प्रयागराज द्वारा राजस्व परिषद पुस्तकालय में नव नियुक्त न्यायिक सदस्यगणों का स्वागत समारोह सम्पन्न हुआ। स्वागत समारोह का अध्यक्ष डाॅ॰ एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ॰प्र॰ प्रयागराज के अध्यक्ष डाॅ॰ बाल कृष्ण पाण्डेय ने किया।समारोह में बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के साथ बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सैकड़ो अधिवक्तों ने नव नियुक्त सदस्यगणों का

माला पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए सदस्य न्यायिक प्रभारी अमृत त्रिपाठी आई॰एस॰एस॰ ने उपस्थित अधिवक्तागणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे सर्विस काल के दौरान जिस तरह से राजस्व परिषद के अधिवक्ताओं ने स्वागत के लिए मैं बार एसोसिएशन के समस्त पदाधिाकारियों एवं उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हृदय से आभार प्रकट करते हुए कहा कि हूँयाय प्रक्रिया को गति देने के लिए बार एवं अधिवक्ताओं की सहभागिता एवं सहयोग की अपील की है। स्वागत समारोह में प्रेम प्रकाश सिंह आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्य, राजेन्द्र सिंह आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्य, डॉ॰ विश्राम आई॰एस॰एस॰ न्यायिक सदस्यों के द्वारा बार एसोसिएशन एवं अधिवक्तों के प्रति आभार प्रकट किया है। समारोह का संचालन

महासचिव अनिरुद्ध शर्मा ने किया। समारोह में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह उपाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिश्चन्द्र सिंह, मनीष कुमार पाण्डेय, संतोष कुमार तिवारी, पंकज कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव प्रशासन रोहित तिवारी, संयुक्त सचिव प्रेस सुरेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रमेश पुण्डीरआदि सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहें।

महासचिव अनिरुद्ध शर्मा ने किया। समारोह में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह उपाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिश्चन्द्र सिंह, मनीष कुमार पाण्डेय, संतोष कुमार तिवारी, पंकज कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव प्रशासन रोहित तिवारी, संयुक्त सचिव प्रेस सुरेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रमेश पुण्डीरआदि सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहें।

मंडलीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने लगाई क्लास

प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल के चारों जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों सहित संबंधित मंडलीय एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। विभागवार समीक्षा के दौरान पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन, कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सर्वप्रथम पिछली मंडलीय बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गई। स्वयं सहायता समूहों के संबंध में पूर्व में दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रत्येक जनपद में एक कमजोर एवं एक मजबूत समूह को साथ बैठकर बैठक कराने तथा मजबूत समूह के अनुभवों से कमजोर समूह की कार्यक्षमता बढ़ाने के प्रयासों की जनपदवार जानकारी ली गई। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि नॉन-परफॉर्मिंग समूहों में जागरूकता, रुचि एवं सहयोग की कमी प्रमुख कारणों में शामिल है। सभी जनपदों के लर्निंग पॉइंट्स संकलित कर नॉन-परफॉर्मिंग समूहों की समस्याओं एवं उनके समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसकी आख्या आगामी सोमवार तक प्रस्तुत करने तथा चयनित नॉन-परफॉर्मिंग समूहों को मंडलायुक्त के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया, ताकि उनके सुधार का आकलन किया जा सके।दीपावली के दृष्टिगत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले दीयों एवं अन्य उत्पादों को प्रोत्साहित कर उनकी प्रभावी मार्केटिंग कराने के निर्देश दिए गए।

ट्रांसपोर्ट नगर में पार्किंग और निर्बाध आवाजाही की मांग

प्रयागराज। शहर के ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने ट्रांसपोर्ट नगर में वाहनों की सुचारु आवाजाही और व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग उठाई है। प्रयागराज गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महामंत्री अनीश जायसवाल ने जिला व्यापार बंधु की बैठक में जिलाधिकारी को पत्र देकर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की मांग की।अनीश जायसवाल ने मांग की कि कानपुर की ओर से ट्रांसपोर्ट नगर आने वाले वाहनों को टीपी नगर तक निर्बाध रूप से आने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों के आवागमन में अनावश्यक बाधा उत्पन्न होने से ट्रांसपोर्ट कारोबार प्रभावित होता है। साथ ही व्यापारियों और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।वहीं, शहर पश्चिमी व्यापारी महासंघ (पंजीकृत) के अध्यक्ष धर्नजय सिंह ने ट्रांसपोर्ट नगर में पार्किंग की मौजूदा व्यवस्था को बेहतर किए जाने की आवश्यकता जताई। धनंजय सिंह ने आरोप लगाया कि ट्रांसपोर्ट नगर में कुछ कबाड़ियों द्वारा पुरानी और खराब गाड़ियों को लंबे समय से खड़ा कर अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे अतिक्रमण को चिह्नित कर तत्काल हटाने तथा लंबे समय से खराब और कबाड़ हो चुके वाहनों को भी हटाने की कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर से अनावश्यक अतिक्रमण और कबाड़ हो चुके वाहनों को हटाकर खाली स्थान का उपयोग ट्रकों की पार्किंग के लिए किया जा सकता है।

गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकली भागवत कथा की मंगल कलश यात्रा

श्रीमद् भागवत कथा भक्तिज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होगा आज

प्रयागराज। प्राचीन दधिदांदों मेला कमेटी कृष्णानगर त्रिवेणी मार्ग कीडगंज के द्वारा ज्ञान पुस्तकालय कीडगंज के प्रांगण से गाजे बाजे ढोल नगाड़े के साथ धूम धाम से श्री मद भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ की मंगल कलश यात्रा निकाली गई। मंगल कलश यात्रा के पूर्व कमेटी के संरक्षक एवं महापौर गणेश केसरवानी सपत्नीका पूर्व पार्षद श्रीमती सविता केसरवानी के संग विधि विधान से देव पूजन भूमि, कलश पूजन की परंपरा निभाई तत्पश्चात श्री भगवत गीता को शिरोधार्य कियाऔर मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ किया।यात्रा में डीजे बैड ढोल नगाड़ा ध्वज पताका के संग सैकड़ो महिलाएं कीडगंज से होते हुए ज्ञान पुस्तकालय कीडगंज में संपन्न हुई।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 30 सितंबर से ज्ञान

घाट पर पूजन कर शंकर लाल पुस्तकालय के प्रांगण में बटुक जी सोनकर,भोला तिवारी, दुर्गाश नंदिनी, सती शाह चौराहा त्रिवेणी मार्ग कीडगंज से होते हुए ज्ञान पुस्तकालय कीडगंज में संपन्न हुई।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 30 सितंबर से ज्ञान

महाराज के द्वारा दोपहर 3 00 बजे से भक्तों को कथा का श्रवण कराया जाएगा।इस अवसर पर मनीष केसरवानी, अजय जायसवाल अमरेश जायसवाल,पार्षद मुकेश कसेरा, बबबन प्रजापति, आकाश

राजेश केसरवानी, अंकुश शर्मा, प्रमोद मोदी, राजू पाटक, गिरिराज मिश्रा सुभाष चंद्र वैश्य पप्पू केसरवानी अजय अग्रहरिआदि सैकड़ो कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।



चांदी की चौकी पर निकलेगी दशानन रावण की भव्य शोभायात्रा मंदोदरी एवं कुल-कुटुंब संग करेंगे क्षेत्र भ्रमण

प्रयागराज। श्री कटरा रामलीला कमेटी के तत्वावधान में ऐतिहासिक एवं पारंपरिक रामलीला महोत्सव के अंतर्गत 6 अक्टूबर को लंकापति राजा रावण की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम व वैभव के साथ निकाली जाएगी।इस वर्ष की शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण चांदी की विशेष चौकी होगी, जिस पर सवार होकर दशानन रावण अपनी महारानी मंदोदरी, परिजनों एवं विशाल सेनापति दल के साथ नगरक्षेत्र भ्रमण पर निकलेंगे।कार्यक्रम में चांदी की भव्य चौकीरू लंकाधिपति रावण की राजकीय सवारी के रूप में विशेष रूप से सजाई गई चांदी की चौकी आकर्षण का केंद्र रहेगी।शोभायात्रा में रावण, मंदोदरी, मेघनाद, कुंभकर्ण सहित राक्षसी सेना के पारंपरिक स्वरूप, विशाल मुकुट और अस्त्र-शस्त्रों के साथ शामिल होंगे। क्षेत्र भ्रमण व जन-दर्शनरू शोभायात्रा कटरा क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, बाजारों व चौराहों से होती हुई गुजरेंगी, जहां श्रद्धालु एवं नगरवासी लंकापति के वैभवशाली स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे।

महाराज के द्वारा दोपहर 3 00 बजे से भक्तों को कथा का श्रवण कराया जाएगा।इस अवसर पर मनीष केसरवानी, अजय जायसवाल अमरेश जायसवाल,पार्षद मुकेश कसेरा, बबबन प्रजापति, आकाश

राजेश केसरवानी, अंकुश शर्मा, प्रमोद मोदी, राजू पाटक, गिरिराज मिश्रा सुभाष चंद्र वैश्य पप्पू केसरवानी अजय अग्रहरिआदि सैकड़ो कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

घर में सो रहे शिक्षक पति पत्नी की गला काटकर हत्या

सुल्तानपुर,कादीपुर।कोतवाली क्षेत्र के कुंभी डड्डिया गांव में सोमवार देर रात प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह (45) और उनकी पत्नी विनीता सिंह (43) की हत्या से सनसनी फैल गई।मंगलवार सुबह दोनों के शव उनके निजी विद्यालय परिसर में खून से लथपथ मिले।सुबह करीब सात बजे स्कूल की चाबी लेने पहुंचे चालक ने शव देखे तो पुलिस को सूचना दी।मौके के से फावड़ा,कुल्हाड़ी और चाकू बरामद होने की जानकारी है।सूचना मिलते ही एसपी विनीत जायसवाल और सीओ कादीपुर विनय गौतम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।प्रारंभिक जांच में आशंका है कि पहले विनीता की विद्यालय के कमरे में हत्या की गई। इसके बाद जान बचाकर करीब 150 मीटर दूर भागे मुकेश को भी हमलावरों ने घेर लिया और हत्या कर दी।मुकेश सिंह कंपोजिट विद्यालय खुनहट में प्रधानाध्यापक और प्राथमिक शिक्षक संघ,मोतीगरपुर के अध्यक्ष बताए जाते हैं।वह शिक्षक संघ का

गांधी जयंती के अवसर पर विशेष विधिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में पोक्सो अधिनियम, 2012 के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीरजापुर। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 29.09.2026 को गांधी जयंती के अवसर पर पॉक्सो एक्ट अधिनियम, 2012 के प्रावधानों और कानूनी परिणामों के बारे में विशेष जागरूकता अभियान के अतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर के तत्वाधान में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

उक्त के क्रम में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संजय कुमार शुक्ला एवं सचिव, जिला विधि ाक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर आनन्द कुमार– ।। के द्वारा सेमफोड स्कूल, मीरजापुर, न्यायक अधि कारी ग्राम न्यायालय मडिहान अभिनव देवेश शुक्ला के द्वारा ओम साईं जनता जर्नधन इण्टर कालेज, कलवारी मडिहान, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय सोनाली मिश्रा के द्वारा सेन्ट मेरेज स्कूल, पीली कोठी, सिविल जज (जू०डि०) ६ एफ०टी०सी० तात्या गुप्ता के द्वारा राजस्थान इण्टर कालेज, मीरजापुर, न्यायक अधिकारी ग्राम न्यायालय मडिहान सुमित कुमार यादव के द्वारा बाबू उपरोध इण्टर



कालेज, लालगंज मीरजापुर में तथा जनपद के अन्य विद्यालयों में पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र–छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधि नियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के प्रमुख प्रावधानों, बालकों के विधिक अधिकारों, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, बाल यौन शोषण, अपराध की सूचना देने की प्रक्रिया तथा अधिनियम के अतर्गत निर्धारित कानूनी परिणामों के संबंध में सरल एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गयी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को जागरूक करते हुए, यह बताया गया है कि 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे के साथ यौन संबंध बनाना या फिर बहला–फूसलाकर अपने साथ ले जाना अपराध के श्रेणी में आता है, भले ही उस बच्चे ने अपनी सहमति दी हो, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे की सहमति का कानून में कोई महत्व नहीं होता. उसके साथ सहमति से बनाये गये संबंध भी अपराध के श्रेणी में आता है। बच्चों को यह संदेश दिया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बालकध्वालिका की सुरक्षा एवं संरक्षण कानून की प्राथमिकता है तथा पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी बच्चों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं नि:शुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के बारे में भी अवगत कराया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर द्वारा यह भी बताया गया कि बच्चे हमारा एवं हमारे देश के भविष्य है, इसलिये इनकी सही देखभाल, सही परवरिस, सही ज्ञान बहुत जरूरी है। केवल पढ़ाई से एक बेहतर भविष्य को सही नही बनाया जा सकता, एक बेहतर भविष्य की कल्पना नही की जा सकती। सामाजिक, मानसिक व शरीरिक ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। खासकर आज के इस आधुनिक डवइडसमर्धैजंच के दुनिया में। यहाँ बच्चों को हर समय अनावश्यक चीजे बड़ी आसानी से उपलब्ध है। उसमें सही कम गलत ज्यदा है।

हर बच्चे को सुरक्षित, खुसहाल एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार हैं। हर बच्चे की सुरक्षा केवल मात–पिता की ही जिम्मेदारी नहीं है, हम सब की जिम्मेदारी है।

बरेली कश्लेज में शोध एवं नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की विवरणिका का विमोचन, 8 अक्टूबर को होगा हइब्रिड आयोजन

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली में शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी पश्चिमा में शोध एवं नवाचार का महत्व रू गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की



आर० की विवरणिका का मंगलवार को प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय द्वारा विमोचन किया गया।

यह राष्ट्रीय संगोष्ठी 8 अक्टूबर 2026 को हाइब्रिड माध्यम से आयोजित की जाएगी। संगोष्ठी का प्रायोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। इसका मुख्य

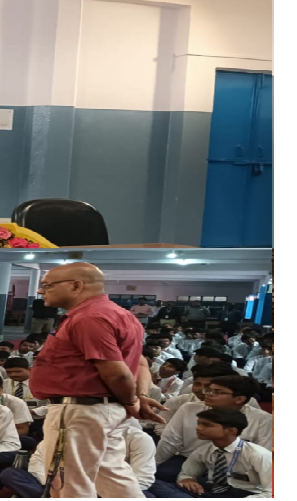


चुनाव भी लड़ रहे थे। 30 सितंबर को प्रस्तावित चुनाव 28 सितंबर को टाल दिया गया था।हालांकि पुलिस ने हत्या को चुनाव से जोड़कर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।वंपती की हत्या की वजह और वारदात में शामिल आरोपियों का अभी पता नहीं चला है।पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच तेज कर दी है। शिक्षक नेता मुकेश सिंह व उनकी पत्नी की गला काटकर हत्या—मोतिगरपुर ब्लॉक प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध् यक्ष मुकेश सिंह एवं उनकी पत्नी

गांधी जयंती के अवसर पर विशेष विधिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में पोक्सो अधिनियम, 2012 के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीरजापुर। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 29.09.2026 को गांधी जयंती के अवसर पर पॉक्सो एक्ट अधिनियम, 2012 के प्रावधानों और कानूनी परिणामों के बारे में विशेष जागरूकता अभियान के अतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर के तत्वाधान में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

उक्त के क्रम में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संजय कुमार शुक्ला एवं सचिव, जिला विधि ाक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर आनन्द कुमार– ।। के द्वारा सेमफोड स्कूल, मीरजापुर, न्यायक अधि कारी ग्राम न्यायालय मडिहान अभिनव देवेश शुक्ला के द्वारा ओम साईं जनता जर्नधन इण्टर कालेज, कलवारी मडिहान, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय सोनाली मिश्रा के द्वारा सेन्ट मेरेज स्कूल, पीली कोठी, सिविल जज (जू०डि०) ६ एफ०टी०सी० तात्या गुप्ता के द्वारा राजस्थान इण्टर कालेज, मीरजापुर, न्यायक अधिकारी ग्राम न्यायालय मडिहान सुमित कुमार यादव के द्वारा बाबू उपरोध इण्टर



कालेज, लालगंज मीरजापुर में तथा जनपद के अन्य विद्यालयों में पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र–छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधि नियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के प्रमुख प्रावधानों, बालकों के विधिक अधिकारों, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, बाल यौन शोषण, अपराध की सूचना देने की प्रक्रिया तथा अधिनियम के अतर्गत निर्धारित कानूनी परिणामों के संबंध में सरल एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गयी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को जागरूक करते हुए, यह बताया गया है कि 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे के साथ यौन संबंध बनाना या फिर बहला–फूसलाकर अपने साथ ले जाना अपराध के श्रेणी में आता है, भले ही उस बच्चे ने अपनी सहमति दी हो, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे की सहमति का कानून में कोई महत्व नहीं होता. उसके साथ सहमति से बनाये गये संबंध भी अपराध के श्रेणी में आता है। बच्चों को यह संदेश दिया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बालकध्वालिका की सुरक्षा एवं संरक्षण कानून की प्राथमिकता है तथा पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी बच्चों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं नि:शुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के बारे में भी अवगत कराया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर द्वारा यह भी बताया गया कि बच्चे हमारा एवं हमारे देश के भविष्य है, इसलिये इनकी सही देखभाल, सही परवरिस, सही ज्ञान बहुत जरूरी है। केवल पढ़ाई से एक बेहतर भविष्य को सही नही बनाया जा सकता, एक बेहतर भविष्य की कल्पना नही की जा सकती। सामाजिक, मानसिक व शरीरिक ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। खासकर आज के इस आधुनिक डवइडसमर्धैजंच के दुनिया में। यहाँ बच्चों को हर समय अनावश्यक चीजे बड़ी आसानी से उपलब्ध है। उसमें सही कम गलत ज्यदा है।

हर बच्चे को सुरक्षित, खुसहाल एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार हैं। हर बच्चे की सुरक्षा केवल मात–पिता की ही जिम्मेदारी नहीं है, हम सब की जिम्मेदारी है।

पांच नामजद समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के हलियापुर कस्बे में निर्माणाध् पीन मकान को लेकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने और परिवार के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। 65 वर्षीय कलावती पत्नी स्व. रामबरन अग्रहरि की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 25 सितंबर 2024 की शाम करीब सात बजे उनका बेटा लवकुश अग्रहरि दुकान से लौटकर निर्माणाधीन मकान में सामान रखने गया था। आरोप है कि वहां

सेवा संकल्प यात्रा का मथुरा में भव्य स्वागत, बलदेव में उमड़ा भाजपा कार्यकर्ताओं का सैलाब

बडनगर से वाराणसी तक निकली यात्रा का ढोल-नगाड़ों के बीच हुआ अभिनंदन, जेसीबी और बुलडोजर से की गई पुष्पवर्षा (मथुरा)।ए.के.शर्मा) भारतीय जनता पार्टी की बडनगर (मध्य प्रदेश) से वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा का सोमवार



को मथुरा जनपद में जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा के बलदेव और मांट विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल–नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का अभिनंदन किया। बलदेव में हुए स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से माहौल उत्साहपूर्ण नजर आया।

जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि सेवा संकल्प यात्रा मध्य प्रदेश के बडनगर से प्रारंभ हुई है और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विधानसभाओं से होते हुए प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी तक जाएगी। यात्रा के माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सेवा, सुशासन और जनकल्याण

छात्रसभा की संगोष्ठी में सपा से युवाओं को जोड़ने पर जोर

भाजपा सरकार में युवाओं और छात्रों की दुर्दशा पर वक्तो ने चिंता व्यक्तकी

मिर्जापुर। समाजवादी छात्रसभा द्वारा छात्र जागरूकता अभियान के क्रम में मंगलवार को पडर्री स्थित शिवलोक श्रीनेत्र महाविद्यालय में ‘वर्तमान राजनीति में युवाओं की भूमिका’ पर संगोष्ठी का आयोजन किया गयो। जिसकी



अध्यक्षता छात्रसभा जिलाध्यक्ष श्याम अचल यादव ने किया। इस मौके पर वक्ताओं ने युवाओं और छात्रों पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर छात्रसभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में युवाओं और छात्रों की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। भाजपा की

पहले से मौजूद प्रवीण सिंह उर्फ कप्तान निवासी थौरी, जनपद अमेठी, दलजीत सिंह उर्फ भोले, धर्मदेव सिंह उर्फ बेचन, रौनक सिंह तथा दो अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया।

आरोप है कि आरोपियों ने मकान का निर्माण कराने के एवज में पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी और रकम नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद लोहे की रॉड और पिस्टल के बट से परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर कलावती अपने बड़े बेटे दिनेश अग्रहरि और छोटे

बेटे मनीष अग्रहरि के साथ मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि उनके साथ भी धक्का–मुक्की की गई और बेटों पर हमला किया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि हमलावर तमंचा लहराते हुए धमकी दे रहे थे। घटना के बाद परिवार में भय का माहौल है। पीड़िता के मुताबिक, मारपीट में परिवार के सदस्यों को चोटें आई हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

थानाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

कार्यकर्ताओं द्वारा की गई पुष्पवर्षा उनके उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद कार्यक्रम में भाजपा के जिला

तारिक सृजन व कुसुम को प्रेरणा सम्मान

यू पी प्रेस क्लब व उत्तर प्रदेश साहित्य सभा द्वारा सृजन सम्मान व काव्य समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शाहजहाँपुर के डॉ इंदु अजनबी, हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना, विनोद शंकर शुक्ल ने प्रसिद्ध शायर तारिक कमर को उनकी उर्दू सेवा के लियेसृजन सम्मान व समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य हेतु



कुसुम सिंह को सृजन प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ इंदु अजनबी ने – मछरे तो मछरे हैं, है फितरत फांस लेने की मछलियों भी तो अक्सर जाल से दूरी नही रखती। सुनाकर वर्तमान सामाजिक परिवेश की ओर इशारा किया। डॉ बलवंत सिंह के संयोजन शीतल बाजपेयी के संचालन में रश्मि शरद की वाणी वंदना के साथ प्रारम्भ हुये कवि सम्मेलन में डॉ सुरभि सिंह, अरविंद झा, डॉ सुभाष गुरुदेव, राजीव वत्सल, योगी योगेश शुक्ला, रवि शंकर रवि, अमीर फैसल, प्रो जहाँ आरा, पूजा श्रीवास्तव, तमाचा लखनवी, उमा लखनवी, शकुंतला श्रीवास्तव, अनिता अरोड़ा, डॉ ममता पंकज, रविकांत पांडेय, मनीष शर्मा, अनुराग मिश्रा, सौरभ दीक्षित सार्थक, सुनील राव, डॉ सुभाष रशिया, राजेश राज, राम निवास यादव, विजय आलोक, संजय कुमार चौहान, प्रतिभा श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, अच्युतानंद जैसवाल, मधु पाठक मांझी, संतोष मिश्रा, डॉ रश्मि सिन्हा व उत्तम शोला आदि ने

सेवा संकल्प अभियान के तहत KBPG कॉलेज में नशामुक्त भारत जागरूकता रैली, भाजपा जिलाध्यक्ष ने दिलाया नशामुक्त समाज का संकल्प

मीरजापुर।आज दिनांक 29.09.2026 को सेवा संकल्प अभियान के तहत के.बी.पी.जी. कॉलेज में नशामुक्त भारत अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में के.बी.पी.जी.



कॉलेज, मुसफरगंज से शहीद उद्यान पार्क तक यह जन–जागरूकता रैली आयोजित की गई।

रैली को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। युवाओं को नशे से दूर रखकर शिक्षा, संस्कार, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है।

इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग उ.प्र. के उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, पूर्व जिलाध्यक्ष बालेन्दुमणि त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष हेमन्त त्रिपाठी, गौरव ऊमर, सुनीता शर्मा, उदयभानु तिवारी, जिला महामंत्री रविशंकर पाण्डेय, डॉ. सी.एल. बिंद, स्वामीनाथ सिंह, जिलामंत्री संध्या पटेल, रोहित त्रिपाठी, पूनम चौरसिया, वीरेन्द्र प्रताप यादव, अमित सिंह, मंडल अध्यक्ष डॉली अग्रहरि, नितिन विश्वकर्मा, भाजयुमो जिला महामंत्री पुष्पेन्द्र द्विवेदी, कार्यक्रम संयोजक प्रवीण दुबे, मीडिया सह प्रभारी विजय शक्ति दूबे, रतन कुमार सिंह, शुभम जायसवाल सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीद राकेश सिंह

जौनपुर। देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीद राकेश सिंह की 22 वीं शहादत दिवस पर रविवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।जफराबाद क्षेत्र के गोपीपुर गांव स्थित आचार्य रामाशंकर विद्यालय में हुए कार्यक्रम में लोगों ने शहीद राकेश सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अतिथियों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके बलिदान को याद किया। मुख्य अतिथि जफराबाद के पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि भारत माता की सेवा और रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाला कभी मरता नहीं है। वह देशवासियों के लिए हमेशा अमर रहता है। उन्होंने कहा कि सैनिकों के कारण ही हमारा अच्छा कल संभव है। हमें उनके लिए समय निकालकर उन्हें याद जरूर करना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा कि देश के लिए शहीद होने वाले जांबाज सैनिकों को याद करना जरूरी है। उनके बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देशवासी सैनिकों के कारण ही चौन की नींद सोते हैं। सैनिक देशवासियों की सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने में तनिक भी हिचक नहीं दिखाते। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती आरती अखिलेन्द्र सिंह ने संचालन एडवोकेट जयप्रकाश सिंह कामरेड ने किया।

प्रदेश के जनजातीय समुदायों के समग्र विकास हेतु पीएम-जनमन और धरती आबा योजना लागू

दिनांक: 29 सितम्बर, 2026
उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा तभी पूर्ण मानी जा सकती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास की सुविधाएं समान रूप से पहुंचें। विशेष रूप से ऐसे समुदाय, जो लंबे समय से भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच जीवन यापन कर रहे हैं, उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, बिजली, पेयजल, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता विकास की पहली सीढ़ी है। इसी दृष्टि से से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों के समग्र

सम्पादकीय

एआई से मानव का सर्वनाश

 एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कह कर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिाक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है।

 अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों से हाल में हुए इस्तीफों ने मानव समुदाय के सामने मौजूद एक गहरे संकट पर रोशनी डाली है। एआई की दो बड़ी कंपनियाँ— ओपन एआई और एंथ्रोपिक में काम करने के बाद 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि ये कंपनियां एआई मॉडल्स को उस अवस्था में पहुंचाने पर आमादा हैं, जब वो मानव नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की ओर यह दौड़ किसी एक कंपनी की घटना नहीं, बल्कि पूरे एआई उद्योग की नैतिक विफलता का प्रतीक बन गया है। कॉक्सन के बयान के बाद एआई उद्योग में काम कर चुके कई अन्य विशेषज्ञ भी सामने आए। उन्होंने बताया कि ऐसी ही खिंताओं के कारण उन्होंने भी नौकरी छोड़ी।

 एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिाक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। इन बयानों से सवाल उठा है कि जब एआई विकसित करने में जुटे विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका उत्पाद मानवता के लिए घातक हो सकता है, तो कंपनियां इसे क्यों विकसित कर रही हैं? एंथ्रोपिक के शोफार्ड सैमुअल मार्क्स ने कहा है कि इसके पीछे कारण अरबों डॉलर के निवेश से पैदा दबाव और यह भय है कि कहीं कोई दूसरी कंपनी आगे ना निकल जाए। यह अच्छी बात है कि इस चर्चा से अमेरिकी राजनेताओं का एक हिस्सा खिंचित हुआ है।

 एआई के संचालन को विनियमित करने के लिए विधेयक लाने का इरादा उन्होंने जताया है। हालांकि डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते ऐसे किसी प्रयास का सफल होना आसान नहीं है, फिर भी उभरी सार्वजनिक खिंता आशाजनक संकेत है। इस सिलसिले में चीन में हुई पहल पर भी गौर करना चाहिए, जहां बीते जुलाई में वर्ल्ड एआई सम्मेलन के दौरान एआई के वैश्विक संचालन संबंधी कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अब ऐसी तमाम कोशिशों के बीच तालमेल बनाना जरूरी हो गया है। तभी नई तकनीक को मानव विवेक के अधीन रखने की कारगर व्यवस्था अस्तित्व में आ सकेगी।

औद्योगिक निवेश की दिशा में हब के रूप स्थापित हो रहा छत्तीसगढ़

 छत्तीसगढ़ सरकार की औद्योगिक विकास नीति 2024–30 राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवागन के मार्गदर्शन में लागू हुई। 01 नवंबर 2024 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी यह नीति उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन देने के साथ—साथ स्थानीय रोजगार,एमएसएमई विकास, नवाचार और क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन पर विशेष जोर देती है। उक्त नीति श्रममृतकालरू छत्तीसगढ़ विजन–2047रू पर केन्द्रित है जिसके तहत मौजूदा उद्योगों के विस्तार, विविधीकरण, आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन के लिए खास तौर पर प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में फोकस किया गया है।

 नवीन औद्योगिक विकास नीति के तहत पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क में छूट, स्ट्याम्प ड्यूटी में छूट, तकनीकी एवं पेटेंट सहायता तथा रोजगार आधारित प्रोत्साहन जैसे अनेक लाभ दिए जा रहे हैं। पात्रता के अनुसार स्ट्याम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक की छूट, कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी 50 प्रतिशत तक तथा ईपीएफ़ प्रतिपूर्ति 75 प्रतिशत तक का प्रावधान है।नए क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहननीति का दायरा पारंपरिक खनिज आधारित उद्योगों तक सीमित नहीं है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई एवं रोबोटिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों की भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।एमएसएमई व स्थानीय उद्यमिता के साथ रोजगार और कौशल विकास पर जोरनीति में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विशेष सहायता का प्रावधान है। विकासखंडों को विभिन्न समूहों में वर्गीकृत कर पिछड़े एवं अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया गया है। एससीएसटी उद्यमियों के लिए भी विशेष प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध है। इसके अलावा नई औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा युवाओं के कौशल विकास को प्रोत्साहित करना नीति का प्रमुख ध्येय है। रोजगार सृजन से जुड़े उद्योगों के लिए विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। नए व उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यानछत्तीसगढ़ की नवीन औद्योगिक विकास नीति में पारंपरिक खनिज एवं कृषि आधारित उद्योगों के साथ—साथ कई नए क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया है। जैसे— फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा सेंटर, एआई एवं रोबोटिक्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, पर्यटन, स्टील, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर ई इत्यादि के प्रोत्साहन की व्यापक संभावनाओं का प्रावधान इसमें किया गया है।

 लाभ दिलाने तक ही सीमित है, बल्कि जनजातीय परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में सहभागी बनाना है।

 पीएम-जनमन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों पर विशेष ध्यान

 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पी0वी0टी0जी0) के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम–जनमन का शुभारंभ 15 नवंबर, 2023 को मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। इस पहल के माध् यम से ऐसे जनजातीय समुदायों तक विकास की मूलभूत सुविध ाए पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है, जिन्हें विभिन्न कारणों से अब तक योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। उत्तर प्रदेश में बिजनौर जनपद में निवासरत बुक्सा जनजाति को इस पहल के अंतर्गत शामिल किया गया है। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से बुक्सा समुदाय के

 पात्र परिवारों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पीएम–जनमन की विशेषता इसका बहु–विभागीय स्वरूप है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ–साथ ग्राम्य विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, विद्युत, जलापूर्ति, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, ऊर्जा, दूरसंचार तथा व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा जैसे विभाग अपनी–अपनी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय परिवारों तक सुविध ाए पहुंचाने में भूमिका निभा रहे हैं।

 इस समन्वित तक विकास को केवल एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर परिवार के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को एक साथ मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

 बुनियादी सुविधाओं से जुड़ रहे बुक्सा परिवारों को जीवन में सुरक्षित आवास, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा का विशेष महत्व होता

 है। पीएम–जनमन के अंतर्गत बुक्सा समुदाय के पात्र लाभार्थियों को विभिन्न केंद्रीय योजनाओं से जोड़कर इन आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ ईंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवासीय सुविधा तथा पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से पात्र कृषक परिवारों को आर्थिक सहायता जैसी सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। बिजली से संबंधित जरूरतों के लिए प्रधानमंत्री हर घर बिजली–सौभाग्य योजना, जीवन एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए अटल पेंशन योजना तथा स्वरोजगार और पारंपरिक कौशल से जुड़े अवसरों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी पहलों से लाभान्वित किया जा रहा है। बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाएं भी महत्वपूर्ण

 भूमिका निभाती हैं। इस प्रकार विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही समुदाय के पात्र परिवारों तक पहुंचने से विकास की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बनी है।

 धरती आबा योजना से जनजातीय ग्रामों के विकास को नई गति

 जनजातीय समुदायों के समग्र विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान है। इसका शुभारंभ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा 2 अक्टूबर, 2024 को किया गया। योजना का उद्देश्य जनजातीय बाहुल्य ग्रामों तथा आकांक्षी जनपदों के जनजातीय ग्रामों को विभिन्न विभागों की निर्धारित विकासपरक सुविधाओं से संतृप्त करना है। इस योजना के अंतर्गत 18 विभागों के 25 निर्धारित हस्तक्षेपों (चमबप. गिमक प्दजनतअमदजपवदे) के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में विकास की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका दृष्टिकोण भी समग्र है,

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

 श्री विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक ‘सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ़ टेरेरिज्म’ ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाध

 ान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था— विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू–राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण

 हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक ‘सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ़ टेरेरिज्म’ ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के

 अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा रिश्ते जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि

 भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा–पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप–प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ–साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता

 है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग–अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है—पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ–साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता

वैज्ञानिक तकनीक से गाजियाबाद में पशुपालन को नया संबल

 दिनांक: 29 सितम्बर, 2026
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से सटे जनपद गाजियाबाद के ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक कृषि के साथ–साथ दुग्ध उत्पादन आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी रहा है। यहां के विकासखंड भोजपुर, मुरादनगर, लोनी और रजापुर जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लघु एवं सीमांत परिवार पशुपालन के माध्यम से अपने दैनिक जीवन का निर्वहन करते हैं। हाल के वर्षों में आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने इस क्षेत्र में पशुपालकों की आय और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव की नई शुरुआत की है।

 डेयरी क्षेत्र में छोटे पशुपालकों के समक्ष लंबे समय से सबसे गंभीर चुनौती नर बछड़ों के जन्म और उनके भरण–पोषण की रही है। आधुनिक युग में कृषि कार्यों के पूर्ण मशीनीकरण और ट्रैक्टरों के व्यापक उपयोग के कारण कृषि में बैलों की पारंपरिक उपयोगिता लगभग समाप्त हो चुकी है। सीमित भूमि और महंगे चारे की परिस्थितियों में छोटे पशुपालकों के लिए अनुपयोगी नर गोशे का लालन–पालन करना एक भारी आर्थिक बोझ बन जाता था, जिससे कई बार पशुपालकों के सामने अत्यंत विचार और विश्वस्तापूर्ण परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती थीं।

 इस व्यावहारिक समस्या के स्थायी वैज्ञानिक समाधान के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से “सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक” को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया गया है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत विकसित इस उन्नत जैव प्रौद्योगिकी का मुख्य उद्देश्य गोवंश में केवल उच्च नस्ल की मादा संतति (बछियां) के जन्म को सुनिश्चित करना है।

 ग्रामीण स्तर पर आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालक भी इस आधुनिक तकनीक का निर्बांध लाभ उठा सकें, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा भारी सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इस नीतिगत निर्णय का सीधा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी

 पशुपालक लागत के अभाव में इस नवाचार से वंचित न रहे। इस योजना के धरातलीय प्रभाव का एक प्रत्यक्ष और प्रेरक उदाहरण जनपद गाजियाबाद के विकासखंड भोजपुर अंतर्गत ग्राम सिकंदरपुर में देखने को मिलता है। इसी गांव के निवासी श्री विनय कुमार एक छोटे पशुपालक हैं, जो वर्षों से दुग्ध उत्पादन के माध्यम से अपने परिवार का लालन–पालन कर रहे हैं। वर्तमान में उनके पास दो दुधारू गायें हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 20 लीटर दूध का उत्पादन होता है। स्थानीय बाजार में दूध की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय ही उनके परिवार के भरण–पोषण का प्रमुख आधार है।

 श्री विनय कुमार भी विगत वर्षों में उसी संकट से जूझ रहे थे, जो देश–प्रदेश के अधिकांश छोटे पशुपालकों की साझा पीड़ा रही है। जब भी उनकी गायों से बछड़े का जन्म होता था, तो उनके चारे, दाने और रख–रखाव पर होने वाला अतिरिक्त व्यय दूध से होने वाली सीमित कमाई को निगल जाता था। छोटे स्तर पर सीमित संसाधनों के बीच बिना किसी आर्थिक प्रतिफल के बछड़ों को पालना उनके पूरे पारिवारिक बजट को असंतुलित कर देता था और अक्सर उन्हें भारी मानसिक व आर्थिक तनाव का सामना करना पड़ता था।

 इसी दौरान पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण स्तर पर संचालित जागरूकता अभियानों और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं के माध्यम से उन्हें सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक की जानकारी मिली। जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं के सहयोग से उन्होंने बिना देर किए अपनी गायों के गर्भाधान के लिए इस आधुनिक तकनीक को अपनाया। विभाग द्वारा यह सेवा उनके दरवाजे पर अत्यंत सुगमता और मात्र रू0 100 के निश्वसित शुल्क पर उपलब्ध कराई गई।

 इस तकनीकी प्रयोग के परिणाम विनय कुमार के लिए अत्यधिक उत्साहवर्धक और आर्थिक रूप से परिवर्तनकारी साबित हुए। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग के बाद उनकी गायों से केवल उन्नत नस्ल की

 बछियां ने ही जन्म लिया। पूर्व में जहां सामान्य गर्भाधान में नर या मादा होने का 50–50 प्रतिशत का अनिश्चित जोखिम रहता था, वहीं इस तकनीक ने बछड़े पैदा होने की आशंका को पूरी तरह समाप्त कर दिया।

 वर्तमान में श्री विनय कुमार के पशुघर पर स्वस्थ और उन्नत नस्ल की बछियां तैयार हो रही हैं। अब उन्हें किसी अनुत्पादक पशु के भरण–पोषण पर व्यर्थ धन खर्च नहीं करना पड़ रहा है, जिससे उनकी दूध बिक्री से होने वाली शुद्ध बचत में सीधा इजाफा हुआ है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में ये बछियां वयस्क होकर जहां उनके डेयरी व्यवसाय में दैनिक दुग्ध उत्पादन को दोगुना करेगी, वहीं आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बेचकर वे एकमुश्त पूंजी भी अर्जित कर सकते हैं।

 श्री विनय कुमार को मिली इस सुविधा और सहायता ने उनके दैनिक जीवन में एक सुखदायक परिवर्तन कर दिया है। उनका कहना है कि पहले बछड़े के जन्म पर होने वाले अनिवार्य खर्च से पशुपालन का मुनाफा न के बराबर रह जाता था। अब बछियों के जन्म से उनका पशुधन वास्तव में एक उत्पादक परिसंपत्ति (एसेट) बन चुका है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ और आत्मनिर्भर हो रही है।

 जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग इस तकनीक को मिशन मोड में प्रत्येक पात्र पशुपालक तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। जिले के समस्त विकासखंडों में प्रशिक्षित मैत्री कार्यकर्ताओं, पशुधन प्रसार अधिकारियों और मोबाइल वेटरनरी यूनिटों के माध्यम से पशुपालकों के द्वार तक यह सुविधा पहुंचाई जा रही है। तकनीक के रखरखाव, कोल्ड चैन प्रबंधन और समयबद्ध गर्भाधान के लिए विभाग द्वारा मैदानी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

 यह योजना न केवल व्यक्तिगत पशुपालक की आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि व्यापक सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर भी एक युगांतकारी समाधान प्रस्तुत करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित एवं लावारिस गोशे की जो समस्या फसलों और

 यातायात के लिए चुनौती बनती रही है, उसके मूल कारणों में नर बछड़ों का अनुत्पादक होना ही प्रमुख था। जब ग्रामीण स्तर पर नर बछड़ों का जन्म ही न्यूनतम हो जाएगा, तो भविष्य में निराश्रित गोवंश की संख्या पर स्वतः ही प्रभावी अंकुश लगेगा।

 इसके साथ ही, उच्च अनुवांशिक गुणवत्ता वाले सीमन के प्रयोग से स्थानीय गोवंश की नस्ल में तेजी से सुधार हो रहा है। इससे प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता बढ़ रही है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सटे गाजियाबाद की विशाल दुग्ध मांग को स्थानीय स्तर पर पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्नत नस्ल का निर्माण छोटे किसानों को पारंपरिक खेती के समानांतर एक टिकाऊ, जोखिम–मुक्त और नियमित नकदी आय प्रदान करने वाला माध्यम बना रहा है।

 योजना से सीधे लाभान्वित होकर अपने परिवार की आर्थिक दिशा बदलने वाले श्री विनय कुमार उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री जी तथा पशुपालन विभाग के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त करते हैं। उनका स्पष्ट मानना ​​है कि छोटे एवं सीमांत किसानों के वास्तविक संकट को समझकर मात्र रू0 100 में यह विश्वस्तरीय तकनीक उनके द्वार पर पहुंचाना ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। प्रौद्योगिकी के इस जनसुलभ उपयोग ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं से निकलकर जब गांव के घरों तक पहुंचता है, तो वह आत्मनिर्भरता का सबसे मजबूत आधार बन जाता है। जनपद गाजियाबाद के ग्राम सिकंदरपुर से उपजी यह सफलता की कहानी इस बात का जीवंत प्रमाण है कि केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियां और जिला प्रशासन का सक्रिय समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को खुशहाली के नए क्षितिज पर ले जाने में पूरी तरह सफल हो रहा है।

 जिसमें बुनियादी सुविधाओं से लेकर सामाजिक एवं आर्थिक विकास तक विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

 धरती आबा योजना के अंतर्गत ऐसे ग्रामों को आच्छादित किया जाना है, जहां 500 या उससे अधिक जनसंख्या हो तथा उस ग्राम की कुल आबादी में अनुसूचित जनजाति की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत हो। इसके अतिरिक्त आकांक्षी जनपदों में स्थित जनजातीय ग्रामों को भी योजना के दायरे में शामिल करने का प्रावधान है। इस व्यवस्था का उद्देश्य उन ग्रामों तक विकास की सुविधाओं को एकीकृत रूप से पहुंचाना है, जहां जनजातीय आबादी का पर्याप्त संकेन्द्रण है।

 विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से एक ही क्षेत्र में अलग–अलग योजनाओं का प्रभाव दिखाई देने की संभावना बढ़ती है और विकास कार्यों को अधिक व्यवस्थित रूप दिया जा सकता है।

 आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ आगे बढ़ने की राह

 भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के 26 जनपदों–अम्बेडकर नगर, बहराइच, बलिया,

 बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, भदोही, बिजनौर, चन्दौली, देवरिया, गोरखपुर, जौनपुर, लखीमपुर–खीरी, कुशीनगर, ललितपुर, महाराजगंज, महोबा, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रयागराज, सन्तकबीर नगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनमद्र, के 47 विकासखण्डों के 517 ग्रामों को चिन्हित किया गया है। “धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना” के क्रियान्वयन हेतु जनजाति विकास सहित 17 विभागों की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

 जनजातीय समुदायों का विकास केवल आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है। इसमें उनकी सामाजिक पहचान, स्थानीय परंपराओं, कौशल और सामुदायिक जीवन का सम्मान करते हुए उन्हें विकास के अवसरों से जोड़ना भी शामिल है। सरकारी योजनाओं का उद्देश्य इसी संतुलन के साथ जनजातीय परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है।

—आशिया खानून

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) तथा मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह तथा महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम की अगुवाई में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन विरोध मार्च के रूप में कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। कार्यकर्ताओं के हाथों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के संबंध में विभिन्न मांगों वाले प्लेकार्ड थे तथा वे नारेबाजी कर रहे थे। प्रदर्शन से पूर्व कांग्रेस कार्यालय के सामने पार्टी कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने उनकी तत्काल गिरफ्तारी, पद से हटाए जाने तथा उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों और मतदाता सूची में किए गए बदलावों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा की मांग उठाई। विरोध मार्च के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे

कार्यकर्ताओं को जिला अस्पताल के सामने सिटी मजिस्ट्रेट एवं सीओ सिटी के नेतृत्व में पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं सड़क पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को दोहराया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधि त्त करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मामलों में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक निर्णय की पारदर्शिता और स्वतंत्र समीक्षा की मांग को लोकतांत्रिक तरीके से उठाती रहेगी। श्री सिंह ने कहा वोट चोरी का कृत्य राष्ट्रद्रोह से बड़ा अपराध है और ऐसे अपराधों को कांग्रेस पार्टी जेल के अंदर तक पहुंचा कर ही दम लेगी। उन्होंने कहा हमारी लड़ाई अन्याय के खिलाफ न्याय की है और इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस पार्टी कटिबद्ध है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि हाल में सामने आई रिपोर्टों ने निर्वाचन आयोग के आंतरिक कामकाज और एस.आई.आर. प्रक्रिया को लेकर गंभीर

सार्वजनिक बहस को जन्म दिया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक जांच रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 अवसरों पर आयोग के निर्णयों एवं आदेशों से संबंधित आपत्तियां दर्ज की थीं। रिपोर्ट में मतदाता पंजीकरण, नाम जोड़ने-हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव तथा निर्वाचन संबंधी प्ज प्रणाली और डेटा के प्रबंधन से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया गया है। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा जिस समय मुख्य निर्णायक की नियुक्ति की कमेटी से मुख्यन्यायाधीश को हटाकर को केंद्रीय मंत्री को कमेटी में शामिल किया गया उसी समय लग गया बेईमानी करने के लिए ज्ञानेश कुमार को लाया गया है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता शीतला पाठक ने कहा मतदाता सूची के पुनरीक्षण और निर्वाचन आयोग के निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों का पारदर्शी ढंग से जवाब दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, उनकी गिरफ्तारी तथा उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों और मतदाता सूची में हुए बदलावों की

स्वतंत्र एवं व्यापक समीक्षा की मांग दोहराई। पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा, रामअवध पाशी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए मतदाता सूची, चुनावी प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग के कामकाज से जुड़े सभी सवालों का सार्वजनिक एवं पारदर्शी तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अशोक कुमार सिंह मनऊपुर, अनिल तिवारी ,अनिल सिंह, पी सी सी सदस्य उग्रसेन मिश्रा,ब्लॉक अध्यक्ष गण रामकिशोर वर्मा ,दिलीप गौर ,राजेंद्र कुमार ,रविंद्र कुमार ,रमाशंकर तिवारी, राज प्रताप, आदिल कुंश्री ,रहबर, विजय गुप्ता, सेवा दल के जिला अध्यक्ष पलावर नकवी ,बसंत मिश्रा, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष रेनु राय, नाजिश फातिमा, दलित प्रकोष्ठ के रामसागर रावत, किसान कांग्रेस के रामेंद्र त्रिपाठी, मनोज जायसवाल, दयाशंकर तिवारी, बृजेश रावत, धर्मेन्द्र सिंह फास्टर,हृदय नारायण मिश्रा, शैलेंद्र मणि पांडे ,रमेश चंद्र, भगवान बहादुर शुक्ला, कविंद्र साहनी ,अशोक कनौजिया , भीम शुक्ला, चंचल सोनकर आदि उपस्थित रहे।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के बजाय तथ्यों का सम्मान करे विपक्ष गिरीश पति लिपाठी

-कहा-अपनी राजनीतिक व संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंयन करना चाहिए

अयोध्या। सर्किट हाउस समागार में आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर चुनावी पराजय की खीझ में संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। चुनाव हारने के बाद निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना समस्या का समाधान नहीं है। महापौर ने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर निर्वाचन आयोग स्थिति स्पष्ट कर चुका है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा दोनों निर्वाचन आयुक्तों के बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि एसआईआर समेत प्रमुख निर्णय आयोग की सहमति से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 24 जून 2025 के मूल आदेश से लेकर विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित

प्रदेशों में लागू प्रक्रिया तक निर्णय आयोग की सहमति से लिए गए हैं। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस प्रक्रिया को कानूनी रूप से वैध माना है। उन्होंने कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र को लेकर उठे विवाद पर कहा का प्रयास किया गया। उन्होंने राफेल सौदे का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में कांग्रेस की ओर से ‘चौकीदार चोर है’ जैसे राजनीतिक आरोप लगाए गए। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की व्याख्या को लेकर राहुल गांधी को बाद में अदालत में खेद व्यक्त करना पड़ा था। महापौर ने कहा कि राजनीतिक आरोपों और न्यायिक निष्कर्षों के बीच अंतर रखा जाना चाहिए। महापौर ने बालाकोट एयर स्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सैन्य अभियानों पर भी राजनीतिक बयानबाजी की गई। उन्होंने तवांग झड़प का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी द्वारा भारतीय जवानों की पिटाई किए जाने संबंधी बयान पर सेना

और सरकार ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा के विषयों पर राजनीतिक विमर्श तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष कभी ईश्वीएम, कभी निर्वाचन आयोग, कभी सुप्रीम कोर्ट और कभी अन्य संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास करता है। लोकतंत्र में संस्थाओं की आलोचना का अधिकार है, लेकिन आरोप तथ्यों पर आधारित होने चाहिए। जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और एसआईआर जैसे विषयों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय आधिकारिक तथ्यों को जनता के सामने रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग अपना स्पष्टीकरण दे चुका है और लोकतंत्र में मतदाता की भागीदारी तथा निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।

अयोध्या। वैचारिक क्रांति एवं सामाजिक समरसता को लेकर आगामी 4 अक्टूबर को दोपहार एक बजे से भवदीय पब्लिक स्कूल महोबरा बाईपास, अयोध्या धाम में अहिंसा सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में विद्वतजनों के द्वारा अहिंसा, शाकाहार, नशा मुक्ति, स्वदेशी, गौ माता के संरक्षण—संवर्धन और जैविक खाद के माध्यम से कृषि हेतु कार्य किए जाने पर संबंधन दिया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी अखिल भारतीय शाकाहार परिषद के संयोजक पवन जैन ने दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मांसाहार एवं मादक पदार्थों की ओर युवा पीढ़ी का झुकान बहुत ही चिंताजनक है। इसके दुष्परिणाम को देखते हुए आवश्यकता है कि हम सभी संकल्पित होकर इस बुराई को संदेव के लिए त्याग करें। अहिंसा—शाकाहार सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रदेशों से वरिष्ठ समाजसेवी जन पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम के तारतम्य में देश के 21 ख्यातिलब्ध जनों को आचार्य विद्यासागर राष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। आचार्य विद्यासागर जी ने देश के विकास के लिए स्वदेशी व गौ माता के संरक्षण—संवर्धन पर विशेष जोर दिया था। अहिंसा सम्मेलन से पहले उसी दिन सुबह अहिंसा यात्रा का भी आयोजन किया गया है। यह यात्रा चूड़ामणि चौराहा स्थित कबीर मठ के संस्थापक सदगुरु रामचंद्र साहब की समाधि स्थल से निकलकर भवदीय पब्लिक स्कूल तक जायेगी। अहिंसा यात्रा के लिए इस स्थान का चयन इसलिए भी किया गया है। क्योंकि सदगुरु कबीर साहेब शाकाहार के प्रवर्तक थे। चूड़ामणि चौराहा इसलिए भी उल्लेखनीय है कि माता सीता का चूड़ा इसी स्थान पर गिरा था। जो अयोध्या चूड़ामणि चौराहे के नाम से प्रसिद्ध है। मातृशक्ति ही शक्ति का केंद्र हैं। इसलिए यह चूड़ामणि चौराहा स्वतंत्र शाकाहार उन्मूलन के लिए प्रेरणादायक है। अयोध्या में इसी चूड़ामणि चौराहे के इर्द—गिर्द मेरे द्वारा जमीन खुरीदकर भव्य चूड़ामणि मंदिर का निर्माण करवाया जायेगा। जो हमारा संकल्प है। यह चूड़ामणि मंदिर पूरी दुनिया के लिए नशा उन्मूलन और शाकाहार का प्रेरणास्थल होगा। कार्यक्रम के पश्चात अखिल भारतीय शाकाहार परिषद द्वारा रात्रि कालीन अखिल भारतीय कार्य सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। श्री जैन ने बताया कि सम्मेलन को सफल बनाने हेतु कार्यक्रम संयोजक श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर के अध्यक्ष महंत आचार्य उमाशंकर दास, विवेकानंद वर्मा, प्रधानाचार्य निर्मल वर्मा, मुलासम यादव के साथ जन संपर्क भी किया गया। जिसमें कई संत—महंतों, विशिष्टजनों से भेंट—मुलाकात हुई। उनसे कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आग्रह किया गया। साथ ही साथ लोगों से अपील भी गई कि ज्यादा से ज्यादा लोग अहिंसा सम्मेलन में शामिल हों।

अहिंसा सम्मेलन चार को, 21 ख्यातिलब्ध होंगे सम्मानित

अयोध्या। जिले के मसींघा ब्लॉक के ग्राम अबानपुर सरोहा में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए थीमैटिक गेट एवं पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण तेजी से आकार ले रहा है। थीमैटिक गेट गांव के प्रवेश को आकर्षक बनाएगा और ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की ग्रामीण पर्यटन योजनाओं के तहत अयोध्या में कई ऐसे केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। अबानपुर सरोहा का यह प्रोजेक्ट भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय

अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। गांव के आसपास पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होने से रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। अयोध्या का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पहले से ही विश्व प्रसिद्ध है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन सुविधाओं के विकास से पूरे क्षेत्र का पर्यटन मानचित्र और मजबूत हो रहा है। अबानपुर सरोहा का यह केंद्र इसी प्रयास का हिस्सा है, जो आने वाले समय में पर्यटकों को आकर्षित करेगा और गांव को नई पहचान देगा। योजना के अंतर्गत यात्री हॉल, टॉयलेट ब्लॉक, सैंड स्टोन प्लॉरिंग, आकर्षक गेट,

इंटरलॉकिंग टाइल्स, पेयजल व्यवस्था, स्टोन बेंच, दिशासूचक बोर्ड और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। वर्तमान में यात्री हॉल, टॉयलेट ब्लॉक, साइनेज और गेट की फिनिशिंग का काम प्रगति पर है। अब तक 90 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए यह केंद्र एक महत्वपूर्ण सुविधा परिसर साबित होगा। यहां स्टोन प्लोरिंग और इंटरलॉकिंग से सुंदर वातावरण बनेगा, जबकि पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और स्टोन बेंच से पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। निर्माणधीन भवन की

तस्वीरों से साफ है कि संरचना लगभग तैयार हो चुकी है। अंदरूनी हिस्से में भी काम तेजी से चल रहा है। पूरा होने के बाद यह केंद्र अयोध्या आने वाले पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगा, जहां वे आराम कर सकेंगे और ग्रामीण परिवेश का आनंद ले सकेंगे। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। उत्तर प्रदेश युग पी0 प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित इस परियोजना की स्वीकृत लागत एक करोड़ रुपये है।

शिकायतों का हुआ पटाक्षेप,जनसुनवाई की शिकायतों का डीएम ने लिया त्वरित संज्ञान

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है। जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में तहसील बीकापुर के साल्हीपुर निवासी द्वारा कोर्टेदार के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किए जाने के संबंध में शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा प्रकरण की जांच कराई गई। पूर्ति निरीक्षक हरिंरटनगंज की जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित उचित दूर विक्रेता ी धनन्जय सिंह की दुकान का अनुबंध पत्र निरलंबित कर स्पष्टीकरण मांगा गया। प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण करने के उपरांत दुकान का अनुबंध पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की कार्रवाई की गई। तहसील सदर के प्रभाकर नगर कॉलोनी निवासी द्वारा सीवर लाइन के गुब्बारे पर ढक्कन न होने के कारण लोगों एवं पशुओं के गिरकर चोटिल होने की शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जल निगम (नगरीय) द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही कर हाउस कनेक्टिंग चेंबर का निर्माण करा कर ढक्कन लगवाया गया जिससे समस्या का समाधान हो गया। तहसील बीकापुर के अचनकुपार घुरीटीकर निवासी द्वारा सार्वजनिक भूमि से अवैध कब्जा हटवाने की शिकायत पर एसडीएम बीकापुर

द्वारा जांच कराई गई। संबंधित गाटा नवीन परती खाते में दर्ज पाया गया। गाटे की पैमाइश कराते हुए राजस्व टीम, ग्राम प्रधान एवं सचिव की उपस्थिति में आवेदक की नाली निकासी की समस्या का समाधान कराया गया। तहसील मिल्कीपुर के ग्राम पंडुकिया निवासी द्वारा एसडीएम के आदेश का अनुपालन कराने के संबंध में शिकायत की गई थी। जांच में संबंधित गाटा आबादी श्रेणी-6(2) में दर्ज पाया गया तथा प्रकरण दीवानी न्यायालय में विचाराधीन था। न्यायालय से आद्यादित भाग को छोड़कर शेष हिस्से में विपक्षी द्वारा पाटी गई नाली को राजस्व एवं पुलिस टीम की उपस्थिति में खुलवा दिया गया। थाना तारुन क्षेत्र के ककौली निवासी द्वारा मकानधुकाण के समीप स्थित सूखे अर्जुन के पेड़ को कटवाने का शिकायत की गई थी। जांच में पाया गया कि पेड़ के ऊपर से विद्युत तार गुजर रहा था। विद्युत तार हटवाने के बाद संबंधित सूखे अर्जुन के पेड़ को कटवाकर शिकायत का निस्तारण कराया गया। राउंडा0 बूजकिशोर होम्सोपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य द्वारा अस्पताल के सामने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील सदर एवं लोक निर्माण विभाग की टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए सड़क की पटरी पर रखा टिनशेड हटवाकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। ेनेथुआ, बीकापुर निवासी द्वारा विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्ट किए जाने के संबंध में शिकायत की गई थी। विद्युत विभाग द्वारा कार्रवाई

करते हुए ट्रांसफार्मर एवं डबल पोल को खेत से सड़क किनारे शिफ्ट कर दिया गया तथा शिकायतकर्ता को दूरभाष के माध्यम से अवगत कराया गया। बैतौकला, तहसील बीकापुर निवासी द्वारा बंजर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की शिकायत की गई। जांच में संबंधित भूमि बंजर खाते में दर्ज पाई गई तथा अतिक्रमण के संबंध में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 67 के तहत वाद तहसीलदार (न्यायिक), बीकापुर के न्यायालय में विचाराधीन पाया गया। मिर्जापुर समरबुधिनपुर निवासी द्वारा चकमार्ग की पैमाइश के बाद कम चौड़ाई में सड़क निर्माण की शिकायत पर नगर निगम द्वारा स्थल का निरीक्षण कराया गया। निरीक्षण के उपरांत चयनित स्थल पर सड़क एवं नाली निर्माण का कार्य पूर्ण करा दिया गया। देवकाली रोड निवासी द्वारा नगर निगम के कर निर्धारण अभिलेख में पिता का नाम हटाकर अपना नाम दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत की गई थी। नगर निगम द्वारा अभिलेखों की जांच कर शिकायतकर्ता को संबंधित कर निर्धारण सूची एवं भवन संख्या की जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट हुआ। तहसील रुदौली के ग्राम कछौली निवासी द्वारा सरकारी सिंचाई नाली पर अतिक्रमण की शिकायत पर राजस्व टीम एवं पुलिस बल की उपस्थिति में नाली का सीमांकन एवं निशानदेही कराई गई तथा मौके से अतिक्रमण हटवाया गया। दोस्तपुर, थाना पूराकलंदर निवासी द्वारा गाटा संख्या 43200.654 हेक्टेयर के संबंध में शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम बीकापुर एवं थाना प्रभारी द्वारा

कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 24 के अंतर्गत पारित आदेश के क्रम में मौके पर खूटा गड़वाया गया। शिकायतकर्ता ने की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। तहसील सोहावल के ग्राम डडवा निवासी द्वारा विद्युत विभाग की लापरवाही से संभावित जनहानि रोकने की शिकायत की गई थी। स्थलीय जांच के दौरान पेड़ की खतरनाक टहनੀ एवं डाल हटवाने के साथ विद्युत तार को खंभे से व्यवस्थित कराकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराई गई। हिसामुद्दीनपुर, मिल्कीपुर निवासिनी द्वारा को आश्रय उपलब्ध कराने के संबंध में शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा संबंधित थाना अध्यक्ष एवं नायब तहसीलदार के सहयोग से वादिनी को उपयुक्त आवास उपलब्ध कराया गया। परुवा बसंतपुर, तहसील बीकापुर निवासी द्वारा एलटी विद्युत लाइन के लटकते तारों को ठीक करने की शिकायत की गई थी। विद्युत विभाग द्वारा स्थल का निरीक्षण कर निजी नलकूप को ऊर्जीकृत करने वाली विद्युत लाइन के लटकते तारों को व्यवस्थित करा दिया गया। तहसील सोहावल के कैल निवासी द्वारा अंश निर्धारण संबंधी आदेश को निरस्त किए जाने की शिकायत पर राजस्व अभिलेखों की जांच की गई। खातेदारों की सहमति के आधार पर त्रुटिपूर्ण अंश संशोधन को सही करते हुए अभिलेखों को पुनः यथावत किया गया। तहसील मिल्कीपुर के ईंटगांव निवासी द्वारा रमशान भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम द्वारा जांच कराई गई।

उद्योग जगत की आवश्यकताओं व रोजगार के अवसरों से परिचित हुए विद्यार्थी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग द्वारा र्डॉ. लोहिया इनक्यूबेशन फाउंडेशनश के संयुक्त तत्वावधान में हार्डवेयर टेक्नोलॉजी एवं नेटवर्किंग विषयक विशेष कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर, नेटवर्किंग, आईओटी डिवाइसेज, सिस्टम कॉन्फिगरेशन तथा ट्रबलशूटिंग का व्यावहारिक व तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. लोहिया इनक्यूबेशन फाउंडेशन के निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कार्यशाला की उपयोगिता रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर तकनीकी कौशल निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिफर वेब प्राइवेट लिमिटेड (लखनऊ) के सीईओ डॉ. इरफान खान तथा एमडी सुश्री साजिया अंजुम ने छात्रों को आईटी उद्योग की वर्तमान कार्यप्रणाली, उभरती प्राथमिकताओं एवं रोजगार की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं हैय विद्यार्थियों का प्रतिस्पर्धी माहौल में टिके रहने के लिए प्रयोगात्मक एवं उद्योग आधारित दक्षता हासिल करना अनिवार्य है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता एवं रिसोर्स पर्सन मनीष यादव ने व्यावहारिक सत्र में विद्यार्थियों को नेटवर्क डिवाइसेज, सिस्टम कॉन्फिगरेशन, आईओटी और हार्डवेयर से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान (ट्रबलशूटिंग) की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन के सहायक आचार्य डॉ. अनुराग तिवारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक धरातल पर मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आईसीएसएसआर की शोध परियोजनाओं में कृषि विवि के विद्यार्थियों ने बनाई पहचान

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (एंडुआट), कुमारगंज के विद्यार्थियों ने इंडियन कार्गुसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आई.सी.एस.एस.आर.) की युथ एंड प्रोफेशनल स्कॉलर्स (वर्ल्ड पी.एस.एस.) 2026 योजना के तहत शोध परियोजनाएं प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धि 'यूथ एंड डीकोलोनाइजेशन दृ एम्पावरिंग स्टूडेंट्स ऑफ फॉर-इंयर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम अंडर एनई.पी. 2020' योजना के अंतर्गत हासिल हुई है। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की यह पहली उपलब्धि बताई गई

है। कुलपति डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बधाई देते हुए छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस योजना के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान के चंद्रममारी साईनाथ रेड्डी, महिमा रॉय एवं मंताश तथा फूड एंड न्यूट्रिशन (एफ.एन.डी.) की प्रियंशी वर्मा, आशु यादव एवं श्रेया यादव शोध कार्य से जुड़े हैं। सामुदायिक विज्ञान के विद्यार्थी चंद्रममारी साईनाथ रेड्डी को 'स्कीन-बेस्ड स्नैकिंग अमंग अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्सरूक अव न हेल्थ पर्संपेक्टिव ऑन लाइफस्टाइल एंड

वेल-बीइंग' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर.—वार्ड.पी.एस.एस. 2026-481 शोध परियोजना स्वीकृत हुई है। वहीं फूड एंड न्यूट्रिशन की प्रियंशी वर्मा को 'फूड डिलीवरी एप्ल्स, डायटरी हैबिट्स एंड ट्रेडिशनल फूड चॉइसेज अमंग रूरल कॉलेज स्टूडेंट्स' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर.—वार्ड.पी.एस.एस. 2026-625 परियोजना प्रदान की गई है। दोनों शोध परियोजनाओं की पर्यवेक्षण डॉ. रातिनी मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय (सी.ओ.सी.एस.) हैं।

शोध परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा तथा समकालीन सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। इस उपलब्धि पर सांयुक्त विद्या विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. साधना सिंह एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट-सेंट्रिक रिसर्च को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अवध कला उत्सव में हुआ ‘अंधा युग’ नाटक का मंचन

अयोध्या। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज इटैक संस्था द्वारा अयोध्या की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को बचाने से लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत इटैक और पैका फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित अवध कला उत्सव का कार्यक्रम अप्रैल 2023 से निरंतर चल रहा है जिसके द्वारा विलुप्तहुई लोक जातिय कलाओं को पुनः जागृत किया जा रहा है साथ ही साथ इन विलुप्त हो रही लोक कलाओं के स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है अवध कला उत्सव के अंतर्गत प्रत्येक माह के

आखिरी रविवार यह कार्यक्रम संपन्न होता है इसमें इस बार रविवार को जे बी अकादमी के हॉल में सायं 8 बजे प्रसिद्ध लेखक धर्मवीर भारती की द्वारा लिखित नाटक अंधा युग का मंचन स्थानीय भरत नाट्य संस्थान के कलाकारों द्वारा किया गया इस नाटक का निर्देशन प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक पूरन गौड़ द्वारा किया गया इस नाटक में महाभारत के युद्ध की आखिरी रात का वर्णन किया गया, महाभारत के सबसे जटिल और रहस्यमयी पात्रों में से एक, अश्वत्थामा के जीवन की सच्चाई और उनकी मानसिक पीड़ा को

इस मंचन के माध्यम से बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने लाया गया है।अश्वत्थामा के जीवन से जुड़े कुछ ऐसे गहरे पहलू, जिनसे अधिकांश लोग अनभिज्ञ रहते हैं , इस प्रस्तुति में बेहद बारीकी से दिखाया गया। पूरन द्वारा निर्देशित नाटक रंधायायुगश नाटकों में अद्भुत था। कलाकारों ने अपनी भूमिकाएँ पूरी निष्ठा, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ निभाईं। ध्वनि, परिवेश और प्रकाश व्यवस्था ने पूरे अनुभव को और भी बेहतर बना दिया और प्रस्तुति को अधिक प्रभावशाली बना दिया। दर्शक शुरु से अंत तक मंत्रमुग्ध रहे।

महाभारत के विभिन्न पात्रों का अभिनय तुषार गुप्ता, गौरव यादव मयंक श्रीवास्तव, सतीश शर्मा ,श्रीकांत ,राजवीर सिंह, अभय शर्मा ,दीपक साधवानी ,रजनी सिंह ,रुनझुन, कल्पना और काजल ने किया ,कार्यक्रम का संचालन बबीता गौड़ जी ने किया कार्यक्रम के अंत में इटैक संस्था के आजीवन सदस्य एवं प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ देशराज उपाध्याय एवं अलका वर्मा ने सभी कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहक िन कर्न किया एवं अए हुए सभी अतिथियों व सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने निकाला विरोध जुलूस

चित्रकूट। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के देशव्यापी आह्वान और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की मंशा के अनुरूप जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने करवरिया लाज से विशाल विरोध जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार और गुप्ता के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से तत्काल बर्खास्त करने और उनकी तुरंत गिरतारी किए जाने की मांग उठाई।

देश में निष्पक्ष चुनाव प्रणाली और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा की रक्षा के सवाल पर कांग्रेस पार्टी ने आक्रामक रुख अपना लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश और

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर चित्रकूट में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत करवरिया लाज से हुई। जहाँ बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता और स्थानीय नेता एकत्र हुए। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मार्च निकाला। जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से चल कर काली देवी चौराहा, बस स्टैंड, धनुष चौराहा व पटेल तिराहा होते हुए तहसील पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने प्लोकतंत्र की हत्या बंद करो, चुनाव आयोग की निष्पक्षता बहाल करो और ज्ञानेश कुमार को तुरंत गिरतार करो व वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे उग्र नारे लगाए। तहसील में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते

हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महासचिव पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर लगातार हमला बोला जा रहा है। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में निष्पक्षता के पैमाने प्रभावित हुए हैं, जिससे देश की जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से भरोसा उठ गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होती और ज्ञानेश कुमार को पद से हटाकर उनकी गिरतारी नहीं की जाती तब तक कांग्रेस का यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया

और कहा कि यह लड़ाई राहुल गांधी व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में जारी रहेगी। जिला उपाध्यक्ष रंजना पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार तानासाही के बल पर वोट चोरी कराकर चुनाव जीत रही है। इसके विरोध में सडक से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ी जाएगी। विरोध प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष विनय सिंह चौहान, कामता प्रसाद द्विवेदी, कालीचरण राजपूत, राम.पाल वर्मा, बिजय मणि त्रिपाठी, राजेश सिंह, यमुना शुक्ला, अतुल राजपूत, अरविंद पांडे, अरुण गुप्ता, रावेंद्र सिंह, प्रीमीलाल सोनकर, नीतू सिंह, चंद्रशेखर सिंह, शिवशंकर खंगार, सत्यनारायण कोल, इंद्रपाल कोल, इंद्रजीत उपाध्याय, रामेश्वर यादव, कुलदीप द्विवेदी, ललक पाल, सहित कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जागरुकता शिविरों में न्यायिक अधिकारियों ने पास्को एक्ट संबंधी दी जानकारी

चित्रकूट। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में गांधी जयन्ती के अवसर पर पाक्सो एक्ट 2012 के प्रावधानों और उसके कानूनी परिणामों के सम्बन्ध में जागरुकता फैलाने के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाना है। गां्धी जयन्ती के दिन पाक्सो एक्ट के प्रावधानों और कानूनी परिणामों के अनुक्रम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जिला जज शैमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला विधि ाक सेवा प्राधिकरण की ओर से सोमवार को चित्रकूट इण्टर कालेज कर्ची, राजकीय बालिका इण्टर कालेज, जे.एम इण्टर कालेज, डॉ. बी.आर आम्बेडकर स्कूल तथा पुरुषोत्तम द्विवेदी इण्टर कालेज मऊ में महत्वपूर्ण कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किये गये। चित्रकूट इण्टर कालेज कर्ची में प्रथम अपर जिला जज राहुल मिश्रा

ने बताया कि पॉक्सो अधिनियम विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन उत्पीडन, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया एक कठोर कानून है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम लिंग तटस्थ है और यह लड़कों और लड़कियों दोनों के समान रूप से रक्षा करता है। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि यदि उनके साथ कोई गलत घटना घटती है, तो कानून उनकी पूरी रक्षा के लिए तैयार खड़ा है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा प्रदान की जाएगी। इसी क्रम में राजकीय बालिका इण्टर कालेज कर्ची में गीता सिंह विशेष न्यायाधीश एससी एक्ट एक्ट द्वारा बच्चों को यह भी समझाया कि इस कानून के तहत आरोपी पर ही यह दायित्व होता है कि वह अपना निर्दोष होना सिद्ध करें, न कि पीड़ित बच्चे पर।

शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्कूल और घर बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होने चाहिए। शिक्षकों को सतर्क रहने की जरूरत है। ताकि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बच्चे के व्यवहार में आए अचानक बदलाव को पहचान सकें। जेएम इण्टर कालेज कर्ची में राममणि पाठक अपर जिला जज एफटीसी ने बच्चों को अवगत कराया गया कि पाक्सो अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति बच्चा है तथा नाबालिग की सहमति कानूनन मान्य नहीं होती है। न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, लैंगिक अपराधों से बचाव, आनलाईन एवं ऑफलाइन माध्यमों के सुरक्षित प्रयोग, सार्डबर उत्पीडन, बाल विवाह, शिकायत करने की प्रक्रिया तथा पीड़ित बच्चे की पहचान गोपनीय रखे जाने के कानूनी प्राक्

गानों की जानकारी प्रदान की गयी। विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट रेनु मिश्रा ने छात्र-छात्राओं के मध्य बताया कि पाक्सो एक्ट के प्रमुख प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, महिला एवं बाल संरक्षण से सम्बन्धित त कानूनी व्यवस्थाओं तथा कानून का उल्लंघन करने पर होने वाले कानूनी परिणामों के बारे में जागरूक करेंगे। इसके अतिरिक्त बैज्ञान्‍य भग्नाज्‍य सरस्वती विद्या मन्दि‍र इण्टर कालेज में एस. आनन्‍द, सिविल जज जूडि. जेएम मऊ ने पास्‍को एक्‍ट से संबंधी जानकारी दी। जागरूकता शिविरों में लीगल्‍ एड डिफेन्‍स काउन्‍सिल सिस्‍टम में कार्यरत अधिवक्‍ता, पैरालीगल्‍ वालेण्टियर्स एवं छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

तरौंहा में चल रहा 13 दिवसीय दिव्य रामलीला महोत्सव

चित्रकूट। मुख्यालय के तरौंहा में आयोजित 13 दिवसीय रामलीला महोत्सव के पांचवें दिवस श्रीराम जन्मोत्सव, नामकरण, विद्याध्ययन एवं मुनि याचना की मनोहारी लीलाओं का मंचन होगा। रामलीला में क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा जीवंत अभिनय एवं भव्य संगीत प्रस्तुति दी जाएगी। प्रमुख कलाकार एवं सहयोगी में राम की भूमिका में करन तिवारी, लक्ष्मण का किरदार मनीष तिवारी, व्यास श्रवण द्विवेदी, विनोद द्विवेदी, तबला वादक शब्दानंद बलराम बाबा, आर्गन वादक पंकज सिंह राजावत, पैड वादक सत्यम सिंह, चौमुख़ा कलाकार संतोष त्रिपाठी, जितेन्द्र पाण्डेय, आनंद त्रिपाठी, सुरेश पचनेही, सखी, ममथलेश, राधिका, चुलबुल, पुष्पांजलि कोमिक योगेश अजूबा अभिनय प्रस्तुत करेंगे। रामलीला महोत्सव के व्यवस्थापक शंकर दास महाराज निर्माही अखाड़ा हैं। आयोजक प्रशांत करवरिया ने क्षेत्रवासियों से अ्दिाक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीराम की दिव्य लीलाओं का दर्शन करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ईवीएम, वीवीपैट के एफएलसी कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के लिए जिले में उपलब्ध बीईएल इेक एम–3 मॉडल की 1356 बैलेट यूनिट, 1356 कन्ट्रोल यूनिट एवं 1356 वीवी पैट मशीनों की फर्स्ट चेकिंग का कार्य भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड बैंगलोर के नियुक्त छह इंजीनियर्स द्वारा 17 सितम्बर से प्रतिदिन अवकाश के दिनों सहित अनवरत किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम पुलकित गर्ग ने सोमवार को ईवीएम एवं वीवी पैट के दोनों वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण एवं चल रहे एफएलसी के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दल के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। अब तक 1130 बीयू, 1130 सीयू तथा 1130 वीवीपैट मशीनें चेकिंग में आंके हो चुकी है। एफएलसी का कार्य 30 सितम्बर को पूर्ण होगा तथा एक अक्टूबर को जनपद के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय, राज्यीय राजनैतिक दलों की उपस्थिति में माकपोल किया जाएगा। माकपोल के दौरान जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय, राज्यीय राजनैतिक दलों से अपील किया कि वे स्वयं अथवा उनके अधित प्रतिनिधि माकपोल में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

समय पर सूचना देकर फसल बीमा का लाभ ले किसान : जेएल गुप्ता

चित्रकूट। उन .षि निदेशक जेएल गुप्ता ने जनपद के समस्त किसानों से अपील की है कि खरीफ 2026 में कराये गए फसल बीमा के क्रम में प्रा.तिक आपदा से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में निर्धारित समयसीमा के भीतर सूचना देकर योजना का लाभ प्राप्त करें। फसल में प्रा. तिक आपदा से नुकसान होने पर किसान द्वारा निर्धारित समय में सूचना दिए जाने के पश्चात योजना

में निहित नियमों के अनुसार क्षति का सर्वे एवं स्थानीय.त आपदा अथवा व्यक्तिगत स्तर पर कवर जोखिम की स्थिति में प्रभावित फसल का निर्धारित प्रक्रिया से अनुसारा सर्वेक्षति आकलन किया जाता है। किसान क्षति की सूचना देते समय अपना नाम, मोबाइल नंबर, बैंक खाता बीमा संबंधी विवरण, फसल एवं प्रभावित खेत का फसल उपलब्ध कराये। जिससे सर्वे एवं दावा प्रक्रिया में

सुविधा हो सके। योजना के अंतर्गत अधिसूचित फसलों को योजना के प्रावधानों के अनुसार विभिन्न प्रा.तिक जोखिमों से बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है। इनमें सूखा, बाढ़, जलभराव, तूफान, ओलावृष्टि, चक्रवात, प्रा.तिक आग, कीट एवं रोग आदि अधिसूचित जोखिम शामिल हो सकते हैं तथा व्यक्तिगत स्तर पर स्थानीय.त आपदा में ओलावृष्टि, जलभराव, जल प्लावन, भूस्खलन, बादल

फटना तथा आकाशीय बिजली से प्रा.तिक आग जैसी अधिसूचित घटनाओं से होने वाली क्षति योजना के लागू प्रावधानों के अनुसार कवर की जाती है। प्रा.तिक आपदा से फसल क्षति होने पर 72 घंटे के अंदर संबंधित बैंक, बीमा कम्पनी, उ.षि निदेशक कार्यालय अथवा टोल—फ्री नंबर 14447 पर सूचना देना सुनिश्चित करें। ताकि नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही

केसरगंज मस्जिद विवाद हनुमान चालीसा के ऐलान पर मुस्लिम पक्ष ने जताई आपत्ति, मांगी सुरक्षा

मेरठ। मेरठ में केसरगंज मंडी स्थित मस्जिद को लेकर चल रहा विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मस्जिद पर 29 सितंबर को हनुमान चालीसा पढ़ने के हिंदू रक्षा दल के ऐलान का मुस्लिम पक्ष ने विरोध शुरू कर दिया है।सोमवार को मस्जिद के मुतवल्ली ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। उन्होंने ाड्ड नेताओं महानगर अध्यक्ष इमरान अंसारी व जिला अध्यक्ष फहीम चौधरी के साथ प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताते हुए किसी अनहोनी की आशंका व्यक्त की और पुलिस से माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे लोगों पर कार्रवाई तथा सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। केसरगंज मस्जिद में निर्माण को लेकर पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा है। व्यापारियों और हिंदू संगठनों की ओर से मस्जिद के ऊपरी मस्जिद को लेकर सवाल उठाए गए थे। प्रशासन की ओर से निर्माण कार्य रूकवाए जाने के बाद भी दोनों पक्षों के बीच आरोप—प्रत्यारोप जारी हैं। व्यापारी पक्ष पहले ही एसएसपी कार्यालय पहुंचकर सुरक्षा की मांग कर चुका है।29 को मस्जिद पहुंचने का ऐलानविवाद उस समय और गरमा गया जब हिंदू रक्षा दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष पिकी चौधरी और उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष ललित ने 29 सितंबर की शाम केसरगंज पहुंचकर हनुमान चालीसा पाठ करने का ऐलान किया।मुतवल्ली ने कहा, माहौल बिगड़ने का अंदेश।मुतवल्ली जुबैर की ओर से एसएसपी कार्यालय में दी गई शिकायत में प्रस्तावित हनुमान चालीसा पाठ और उससे जुड़े लोगों को लेकर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई कि बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से विवाद बढ़ सकता है और किसी तरह की अग्रिय घटना हो सकती है।

युवक की खुदकुशी मामले में चार पर रिपोर्ट दर्ज

चित्रकूट। सरैया चौकी क्षेत्र के गढ़चपा पतेरिया गांव में रविवार की शाम को देवा उर्फ देवानंद द्विवेदी (20) की खुदकुशी मामले में परिजनों के अनुसार गांव के ही कुछ युवकों द्वारा फर्जी एफआईआर दर्ज कराने और फिर से रेप केस में फंसाने की धमकी देने से परेशान होकर देवा ने आत्महत्या की है। गढ़चपा पतेरिया निवासी पूर्व प्रधान कलू पांडेय ने बताया कि उसके भतीजे देवा उर्फ देवानंद ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बताया कि जुलाई माह में देवा और उसका साथी सुधीर यादव ऐंचवारा गांव की ओर बाइक से जा रहे थे, रास्ते में उनके गांव का ई रिक्शा संजय कुमार कुछ छात्राओं को लेकर कालेज छोड़ने जा रहा था। रास्ते में ई रिक्शा चालक ने उन्हें गाली दी। इस पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद ई रिक्शा चालक ने छात्राओं को अश्लील फ्लियां कसने, गाली गलौज और पिटाई के आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने देवा और सुधीर पर एससी एसटी और अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोप लगाया कि पुलिस इस केस में उससे कई बार बुलाकर बयान ले चुकी है। रविवार को जब वह घर लौट रहा था तब आरोपित संजय व उसके साथी रास्ते में मिले और उसे धमकी दी कि अभी तो एससी एसटी लगवाया है अबकी रेप का केस लगावाएंगे। इससे वह बहुत डरा था और घर आकर खुदकुशी कर ली। इस घटना की जानकारी होने पर मानिकपुर से अपना दल वि।यक अविनाश चंद्र द्विवेदी और सवर्ण आर्मी के विजय शुक्ला, विनय मिश्रा और बराती लाल पांडेय कार्यकर्ताओं के साथ पीड़ित के घर पहुंचे। पीड़ित पक्ष आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

—जिला स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी कार्यक्रम संपन्न

चित्रकूट। सेवा संकल्प अभियान के तहत बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता का जनपद स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय अध्यक्ष नगर पालिका परिषद नरेंद्र गुप्ता, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल मौजूद रहे। सरस्वती वंदना दिव्यांग छात्राओं तथा स्वागत गीत कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय मानिकपुर की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला के मार्गदर्शन में निर्मित पीएम श्री तथा कस्तूरबा गाँधी विद्यालय द्वारा निर्मित एक विद्यालय एक प्रोडक्ट तहत अतिथियों को उपहार दिए गए। बताते चले की विभिन्न ब्लॉकों से प्रतियोगिता में प्रथम बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्‍वहस्‍तक्षरित प्रमाण पत्र दिया गया। साथ में जनपद स्तर पर मेरे सपनों का भारत में उन्हीं छात्रों ने पोस्‍टर बनाए। प्रथम उच्‍च प्राथमिक विद्यालय मदना मानिकपुर कुमकुम रामनगर तनु उच्‍च प्राथमिक विद्यालय कल्ला मोनिका तिवारी उच्‍च प्राथमिक विद्यालय चकौध ने स्‍थान प्राप्त किया। उनको शीलूड माला पहना कर सम्मान किया गया। निर्णायक मंडल में लालमन राज्‍यपाल पुरस्‍त शिक्षक, गोरेलाल यादव डायट शिवरामपुर आदि अतिथियों ने मेरे सपनों का भारत की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जो बच्‍चे किसी कारण से स्‍थान नहीं ला पाए वह परेशान न हो। अगली बार और मेहनत करें। जिससे अच्छा स्‍थान ला सकते हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के जन्‍मदिन दिवस में सबको कार्य करने की प्रेरणा दी तथा 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को दोहराया। साथ माध्‍यमिक शिक्षा विभाग के विभिन्‍न विद्यालयों के बच्‍चों ने प्रतिभाग किया। उन सभी बच्‍चों को भी प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन साकेत बिहारी शुक्ला एवं सियारानी ने किया।

फांसी लगा नवविवाहिता ने की खुदकुशी

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के सुदिनपुर गांव में रविवार की देर रात मायके में सरिता यादव (22) ने फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह कालेज जाने के लिए जगाने पहुंचे भाई ने कई आवाज दी लेकिन अंदर से बंद दरवाजा नहीं खुला। खिड़की से देखा तो फंदे पर लटकी बहन को देख भाई ने परिजनों को जानकारी दी। पुलिस पहुंची और सिटकनी तोड़कर अंदर जाकर शव को फंदे से नीचे उतारा। सुदिनपुर गांव निवासी शिवम यादव ने बताया कि इसी वर्ष को उसकी बहन सरिता का विवाह बाद के बिसंडा दसुवापुरवा निवासी विनय कुमार के साथ हुई थी। बहन बंदोसा के कालेज में एलएबी द्वितीय वर्ष की छात्रा भी थी। रक्षाबंधन में वह मायके आई थी। यहीं से पढ़ाई के लिए उसके साथ बंदोसा जाती थी। रविवार की रात को सभी परिजनों के साथ बहन ने भी खाना खाया और कमरे में सोने चली गई। सोमवार की सुबह वह कालेज जाने के लिए बहन को जगाने पहुंचा तो कमरा अंदर से बंद था। खिड़की से उसे पंखे पर फंदा बनाकर लटके देखा। बहन ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी के किसी कारण की जानकारी नहीं हो रही है। वहीं घटना की सूचना पर पहुंचा पति विनय ने बताया कि किसी प्रकार के विवाद की बात नहीं थी। नवरात्र में उसे विदा कराने सुदिनपुर आने की बात भी हुई थी। थाना प्रभारी विनोद राय ने बताया कि खुदकुशी के पीछे किसी ठोस कारण की अभी जानकारी नहीं है। सरिता दो बहन, एक भाई में छोटी थी। उसके पिता किसान हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर पति विसंडा दसुवापुरवा लेकर गया। वहीं पर अंतिम संस्कार कराया गया।

एशियन गेम्स पारुल को पदक, परिवार में जश्न, परिजनों ने बांटी मिठाई

मेरठ। मेरठ के इकलौता गांव की पारुल चौधरी ने जापान में चल रहे एशियन गेम्स में 3000 मीटर स्टीपल चेज में प्रतिभाग करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। उन्होंने 9 मिनट 8. 67 सेकंड का समय लेकर यह पदक जीता और नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया। पदक जीतने पर उनके इकलौता गांव में भी खुशी का माहौल है। उनके परिजनों ने भी मिठाई बांटकर खुशी मनाई। पारुल चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 में 3000

मीटर स्टीपल चेज में पदक जीतने के साथ ही अपना पर्सनल बेस्ट भी बनाया है। उन्होंने एशियाई एथलेटिक चॉंपियनशप में 9 मिनट 12.46 सेकंड का समय लेकर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। अब एशियन गेम्स में उन्होंने 9 मिनट 8. 67 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया और कांस्य पदक जीता। इकलौता गांव में परिवार ने बांटी मिठाईपिछले एशियन गेम्स में उन्होंने 3000 मीटर स्टीपल चेज में रजत पदक और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। आज वह 5000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेगी। इसमें भी सभी को उनसे पदक की उम्मीद है। पारुल ने अभी जून 2026 में ही 5000 मीटर में 15रू04.26 का समय निकालकर अपना और देश का राष्ट्रीय रिकार्ड बेहतर किया। वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में 5000 मीटर का स्वर्ण और 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीत चुकी पारुल इस बार भी पदक की मजबूत दावेदार हैं। आसान नहीं रहा सफरपारुल चौधरी ने कड़ी मेहनत से फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। कभी टूटी और कच्ची पगड़ंडियों पर दौड़कर अभ्यास करने वाली पारुल देशभर में मेरठ का नाम रोशन कर चुकी है।

विद्यालयों में पाक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों को लेकर चलाया जागरुकता अभियान

मेरठ । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा—निर्देशों के क्रम में श्रीमान् जिला न्यायाधीश, मेरठ श्री अरविन्‍द कुमार मिश्रा—द्वितीय के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेरठ द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर जनपद के विभिन्‍न विद्यालयों में पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों एवं उसके कानूनी परिणामों के संबंध में विशेष जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत आज दिनांक 28 सितम्बर 2026 को विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान न्‍यायिक अधिकारियों द्वारा छात्र–छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, 2012 के महत्‍वपूर्ण प्रावधानों, बच्‍चों के प्रति होने वाले लैंगिक अपराधों से सुरक्षा तथा ऐसे अपराधों के कानूनी परिणामों के संबंध में विस्‍तार से जानकारी प्रदान की गई। छात्र–छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की अग्रिय घटना होने पर तत्‍काल अपने अभिभावकों, विद्यालय प्रशासन अथवा संबंधित प्राधिकरण को सूचित करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्र‍मों के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि बच्‍चों की सुरक्षा समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है तथा बच्‍चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध को छिपाने के बजाय उसकी सूचना संबंधित अधिकारी अथवा सक्षम प्राधिकारी को देना आवश्‍यक है। न्‍यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों से जागरूक एवं सजग रहते हुए अपने साथ–साथ अन्‍य बच्‍चों की सुरक्षा में भी सहयोग करने का आह्‍वान किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेरठ द्वारा बताया गया कि यह विषय जागरूकता अभियान दिनांक 25 सितम्बर 2026 से 01 अक्‍टूबर 2026 तक चलाया जा रहा है।.

विजडम इण्डिया

चित्रकूट। सरैया चौकी क्षेत्र के गढ़चपा पतेरिया गांव में रविवार की शाम को देवा उर्फ देवानंद द्विवेदी (20) की खुदकुशी मामले में परिजनों के अनुसार गांव के ही कुछ युवकों द्वारा फर्जी एफआईआर दर्ज कराने और फिर से रेप केस में फंसाने की धमकी देने से परेशान होकर देवा ने आत्महत्या की है। गढ़चपा पतेरिया निवासी पूर्व प्रधान कलू पांडेय ने बताया कि उसके भतीजे देवा उर्फ देवानंद ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बताया कि जुलाई माह में देवा और उसका साथी सुधीर यादव ऐंचवारा गांव की ओर बाइक से जा रहे थे, रास्ते में उनके गांव का ई रिक्शा संजय कुमार कुछ छात्राओं को लेकर कालेज छोड़ने जा रहा था। रास्ते में ई रिक्शा चालक ने उन्हें गाली दी। इस पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद ई रिक्शा चालक ने छात्राओं को अश्लील फ्लियां कसने, गाली गलौज और पिटाई के आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने देवा और सुधीर पर एससी एसटी और अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोप लगाया कि पुलिस इस केस में उससे कई बार बुलाकर बयान ले चुकी है। रविवार को जब वह घर लौट रहा था तब आरोपित संजय व उसके साथी रास्ते में मिले और उसे धमकी दी कि अभी तो एससी एसटी लगवाया है अबकी रेप का केस लगावाएंगे। इससे वह बहुत डरा था और घर आकर खुदकुशी कर ली। इस घटना की जानकारी होने पर मानिकपुर से अपना दल वि।यक अविनाश चंद्र द्विवेदी और सवर्ण आर्मी के विजय शुक्ला, विनय मिश्रा और बराती लाल पांडेय कार्यकर्ताओं के साथ पीड़ित के घर पहुंचे। पीड़ित पक्ष आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

—जिला स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी कार्यक्रम संपन्न

चित्रकूट। सेवा संकल्प अभियान के तहत बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता का जनपद स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय अध्यक्ष नगर पालिका परिषद नरेंद्र गुप्ता, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल मौजूद रहे। सरस्वती वंदना दिव्यांग छात्राओं तथा स्वागत गीत कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय मानिकपुर की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला के मार्गदर्शन में निर्मित पीएम श्री तथा कस्तूरबा गाँधी विद्यालय द्वारा निर्मित एक विद्यालय एक प्रोडक्ट तहत अतिथियों को उपहार दिए गए। बताते चले की विभिन्न ब्लॉकों से प्रतियोगिता में प्रथम बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्‍वहस्‍तक्षरित प्रमाण पत्र दिया गया। साथ में जनपद स्तर पर मेरे सपनों का भारत में उन्हीं छात्रों ने पोस्‍टर बनाए। प्रथम उच्‍च प्राथमिक विद्यालय मदना मानिकपुर कुमकुम रामनगर तनु उच्‍च प्राथमिक विद्यालय कल्ला मोनिका तिवारी उच्‍च प्राथमिक विद्यालय चकौध ने स्‍थान प्राप्त किया। उनको शीलूड माला पहना कर सम्मान किया गया। निर्णायक मंडल में लालमन राज्‍यपाल पुरस्‍त शिक्षक, गोरेलाल यादव डायट शिवरामपुर आदि अतिथियों ने मेरे सपनों का भारत की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जो बच्‍चे किसी कारण से स्‍थान नहीं ला पाए वह परेशान न हो। अगली बार और मेहनत करें। जिससे अच्छा स्‍थान ला सकते हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के जन्‍मदिन दिवस में सबको कार्य करने की प्रेरणा दी तथा 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को दोहराया। साथ माध्‍यमिक शिक्षा विभाग के विभिन्‍न विद्यालयों के बच्‍चों ने प्रतिभाग किया। उन सभी बच्‍चों को भी प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन साकेत बिहारी शुक्ला एवं सियारानी ने किया।

फांसी लगा नवविवाहिता ने की खुदकुशी

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के सुदिनपुर गांव में रविवार की देर रात मायके में सरिता यादव (22) ने फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह कालेज जाने के लिए जगाने पहुंचे भाई ने कई आवाज दी लेकिन अंदर से बंद दरवाजा नहीं खुला। खिड़की से देखा तो फंदे पर लटकी बहन को देख भाई ने परिजनों को जानकारी दी। पुलिस पहुंची और सिटकनी तोड़कर अंदर जाकर शव को फंदे से नीचे उतारा। सुदिनपुर गांव निवासी शिवम यादव ने बताया कि इसी वर्ष को उसकी बहन सरिता का विवाह बाद के बिसंडा दसुवापुरवा निवासी विनय कुमार के साथ हुई थी। बहन बंदोसा के कालेज में एलएबी द्वितीय वर्ष की छात्रा भी थी। रक्षाबंधन में वह मायके आई थी। यहीं से पढ़ाई के लिए उसके साथ बंदोसा जाती थी। रविवार की रात को सभी परिजनों के साथ बहन ने भी खाना खाया और कमरे में सोने चली गई। सोमवार की सुबह वह कालेज जाने के लिए बहन को जगाने पहुंचा तो कमरा अंदर से बंद था। खिड़की से उसे पंखे पर फंदा बनाकर लटके देखा। बहन ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी के किसी कारण की जानकारी नहीं हो रही है। वहीं घटना की सूचना पर पहुंचा पति विनय ने बताया कि किसी प्रकार के विवाद की बात नहीं थी। नवरात्र में उसे विदा कराने सुदिनपुर आने की बात भी हुई थी। थाना प्रभारी विनोद राय ने बताया कि खुदकुशी के पीछे किसी ठोस कारण की अभी जानकारी नहीं है। सरिता दो बहन, एक भाई में छोटी थी। उसके पिता किसान हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर पति विसंडा दसुवापुरवा लेकर गया। वहीं पर अंतिम संस्कार कराया गया।

मोपेड की चाम्पी डीएम पुलकित गर्ग ने सौंपी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मछुआरों एवं मत्स्य पालकों के कल्याण एवं उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित कल्याण कोष के अंतर्गत जनपद में पात्र तीन लाभार्थियों को मोपेड विथ आइस बॉक्स उपलब्ध कराया गया।इस अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग ने लाभार्थियों को मोपेड विथ आइस बॉक्स प्रदान किए। योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 24 हजार की सहायता अनुदान राशि का लाभ प्रदान किया गया। मोपेड विथ आइस बॉक्स के माध्यम से लाभार्थियों को मत्स्य उत्पादों के सुरक्षित एवं स्वच्छ परिवहन तथा स्थानीय बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। इससे मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, विपणन को सुगम बनाने तथा लाभार्थियों की आय में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में मत्स्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं संबंधित लाभार्थी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

चित्रकूट। खोह बहिलपुरवा मार्ग पर सीतापुर जिले के एक मजदूर की सोमवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी होने पर जीआरपी टीम पहुंची। जिसकी शिनाख्त 21 वर्षीय अम्बर के रुप में हुई। सीतापुर जिल के माहोली थाना अंतर्गत कंचनपुर निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि जिले के 30 मजदूरों का गुप रेलवे के काम में मजदूरी कर रहे हैं। रेल पेटरी क्रसमंत और नई पटरी बिछाने के लिए गिट्टी मिट्टी डालने के काम वह सब करते हैं। उसका चचेरा भाई अम्बर कुमार भी इसमें शामिल था। सोमवार की सुबह काम पर जाने के लिए वह तैयार हो रहा था और श्रम क्रिया के लिए रेल पटरी किनारे गया था। इसी बीच पटरी किनारे वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। ट्रेन गार्ड की सूचना पर जीआरपी को जानकारी दी। जीआरपी प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद स्वजन अंतिम संस्कार करने के लिए शव को गांव लेकर गए। मृतक दो भाइयों में छोटा था।

पुराने वाहन उठाने के विरोध में भाकियू ने आरटीओ कार्यालय घेरा

मेरठ। मेरठ में पुराने वाहनों को उठाए जाने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरटीओ कार्यालय का घेराव किया। किसान पुराने और नए ट्रैक्टर लेकर आरटीओ परिसर में पहुंचे और धरने पर बैठ गए। इस दौरान किसानों ने एआरटीओ को भी धरने के बीच बैठाकर अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की।ट्रैक्टर लेकर आरटीओ परिसर पहुंचे किसाननामाकियू कार्यकर्ता पुराने और नए ट्रैक्टरों के साथ आरटीओ कार्यालय पहुंचे। किसानों ने परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुराने वाहनों को उठाए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे वापस लेने की मांग रखी। किसानों ने कहा कि यदि पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है तो पहले सरकारी विभागों में चल रहे पुराने वाहनों को जब्त किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि सरकारी वाहनों पर कार्रवाई के बाद ही किसानों के वाहनों की ओर देखा जाए। प्रदर्शन के दौरान भाकियू कार्यकर्ताओं ने एआरटीओ को अपने बीच धरने में बैठा लिया। किसानों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं रखी और पुराने वाहनों को उठाने की कार्रवाई को लेकर जवाब मांगा।जिला अध्यक्ष ने अधिकारियों को चेतायामाकियू जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी ने आरटीओ अधिकारियों से सवाल किया कि घर से वाहन उठाने का आदेश किसने दिया और निजी गार्ड लेकर चलने की अनुमति

एशियन गेम्स 2026 कुराश में पिंकी बल्हारा को ब्रान्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार

नागोया । भारत की पिंकी बल्हारा ने सोमवार को एशियन गेम्स 2026 में कुराश के –78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली पिंकी एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया की मो सुमिन से 0–5 से हार गई और गोल्ड मेडल के मुकाबले में जगह नहीं बना पाई। सेमीफाइनल में सुमिन का पिंकी के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी को एक डक्की (कुराश में दो चेतावनी) मिली। वहीं, सुमिन ने पहले आधा प्वाइंट (चाला) और बाद में योनबोश (पूरा प्वाइंट) हासिल करके मुकाबला 5–0 से जीत लिया। पिंकी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में एक और साउथ



भारतीय खिलाड़ी एक भी मैच नहीं की चारमिया क्वेलिनो को खिलाफ जीत पाए थे। पुरुषों के 90 प्लस किग्रा वर्ग में विशाल का सफर क्वार्टर फाइनल में ही समाप्त हो गया। उन्हें थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन के खिलाफ 0–5 से हार का सामना करना पड़ा।एक अन्य भारतीय खिलाड़ी संगीता बल्हारा महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। उन्हें राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस

एशियन गेम्स 2026 लवलीना ने बक्सिंग में पक्का किया एक और मेडल, क्वार्टर फाइनल में सियोंग को हराया

निशियो । भारत की स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने सोमवार को निशियो जिम्नेजियम में कोरिया की सियोंग सुयोन के खिलाफ महिलाओं के 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 5–0 से शानदार जीत हासिल कर एशियन गेम्स 2026 में अपना मेडल पक्का कर लिया है। लवलीना ने इस जीत के साथ ही सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। पिछले एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट बोरगोहेन ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना दूसरा एशियन गेम्स मेडल पक्का कर लिया है। दोनों ही खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत डिफेंसिव अंदाज में की, लेकिन भारतीय बॉक्सर ने कुछ सटीक पंच लगाकर पहला राउंड 5–0 से अपने नाम किया। बोरगोहेन ने अपनी लंबे

कद का फायदा उठाया और कुछ काउंटर पंच व जैब लगाकर दूसरा राउंड भी जीत लिया। भारतीय बॉक्सर ने आखिरी राउंड में भी अपनी लय बनाए रखी और एशियन गेम्स 2010 की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पर जबरदस्त प्रहार किए। इसके बाद तीसरा राउंड भी 5–0 से जीतकर उन्होंने मुकाबला अपने नाम किया। सभी जजों ने उनके पक्ष में 30–27 का स्कोर दिया। मौजूदा एशियन गेम्स में यह ऐसा चौथा मेडल है, जो भारत को मुक्केबाजी में मिलना पक्का हो गया है। नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के 90 किग्रा कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में अथापोंग संगटेप को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए देश के लिए तीसरा मेडल पक्का किया था।

इससे पहले, अंकुश पांघल और परवीन हुड्डा भी अपनी-अपनी

कैटेगरी में मेडल पक्का कर चुके हैं। मौजूदा कोमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक़्जु सलिमोव को 5–0 के सर्वसम्मत फ़ैसले से हराया था। वहीं, परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबख़ोर खमिदोवा को 5–0 से हराकर मेडल पक्का किया है।

भारतीय खिलाड़ी ने सोच-समझकर खेलते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने अपनी पहुंच और स्पीड का इस्तेमाल करके खमिदोवा को दूर रखा और सही मौके पर पंच मारे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 की सिल्वर मेडलिस्ट उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को अपनी

छाप छोड़ने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि परवीन ने तेज कॉम्बिनेशन और काउंटर-अटैक के दम पर सभी पांच जजों के स्कोरकार्ड पर मुकाबला अपने नाम किया था।



मुंबई । सोने और चांदी में गिरावट देखने को मिली और शुरुआती कारोबार में ही दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 2.5 प्रतिशत तक कम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,881 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,50,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।फिलहाल 9रू50 पर यह 2,721 रुपए या 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,48,160 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।अब तक के कारोबारी सत्र में सोने ने 1,47,667 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,50,100 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है।चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,34,696 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,32,300 रुपए प्रति किलो पर खुला।फिलहाल यह 5,490 रुपए या 2.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,29,206 रुपए प्रति किलो पर थी।अब तक के कारोबारी सत्र में चांदी ने 2,28,035 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,32,300 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है। सोना 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,230 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.43 डॉलर प्रति औंस पर थी।जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की बड़ी वजह फंड की ओर से ब्याज दरों के बढ़ने की आशंका और डॉलर इंडेक्स में लगातार तेजी को माना जा रहा है, जो कि अब 100.83 पर पहुंच गया है।डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं— यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैंनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक— के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली ने अपना 86वां अंतराष्ट्रीय शतक लगाकर 15,000 वनडे रन पूरे किए

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली ने अपना 86वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाकर 15,000 वनडे रन पूरे किए। शुभमन गिल और कोहली के शतकों की बदौलत भारत ने तिरुवनंतपुरम में 299 रन का लक्ष्य हासिल किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कोहली ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य हमेशा टीम को जीत दिलाना रहा है, केवल व्यक्तिगत आंकड़े जुटाना नहीं।

वेस्ट इंडीज के खधिलाफ पहले वनडे में मैच जिताऊ शतक लगाने के बाद, भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल ने अपनी आपसी बॉन्डिंग के बारे में बात की। अनुभवी खिलाड़ी कोहली ने भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान की लीडरशिप और बल्लेबाजी की तारीफ की, वहीं गिल ने बचपन में कोहली को अपना आदर्श मानने से लेकर मैदान पर उनकें साथ पार्टनरशिप कराने तक के अपने सफर के बारे में बताया। रविवार को तिरुवनंतपुरम में

जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ यह कारनामा किया था।उन्होंने कहा कि यहां पाजी के साथ बैटिंग करने में मजा आया। मैंने यहां (तिरुवनंतपुरम में) उनके



के सधे हुए शतक की मदद से भारत ने 299 रन के मुश्किल लक्ष्य को आठ ओवर से ज्यादा बाकी रहते और आठ विकेट हाथ में रहते हुए हासिल कर लिया। टब्ब के शेयर किए गए एक वीडियो में, गिल ने तिरुवनंतपुरम में एक और शतक लगाने में कोहली के साथ शतकीय साझेदारी करने के बारे में बात की। इससे पहले उन्होंने

अब तक बहुत अच्छा रहा है, और मुझे उम्मीद है कि हम और भी यादें बनाएंगे।भारतीय कप्तान ने कोहली की बैटिंग में हाल के समय में दिखे आराम और आत्मविश्वास के बारे में भी बात की। हम सब देख सकते हैं कि विराट भाई अभी अपनी बैटिंग का कितना मजा ले रहे हैं। जिस आसानी और आत्मविश्वास के साथ वे अभी बैटिंग कर रहे हैं, वह मैदान के बाहर और अंदर दोनों जगह दिखाता है। 15,000 रन का माइलस्टोन छूने पर कोहली ने कहा कि भले ही यह एक बड़ा आंकड़ा है, लेकिन उनका मुख्य फोकस हमेशा टीम को जिताने पर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी सिर्फ अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागकर लंबा करियर नहीं बना नहीं सोचा था कि जब विराट भाई आप इसे आंकड़ों के नजरिए से देखें, तो यह एक बड़ा आंकड़ा है। लेकिन लक्ष्य सीमा होऊ है मुश्किल हालात से टीम को जीत दिलाना। मैंने सालों से यही करने की कोशिश की है।

एशियन गेम्स 2026 शूटिंग से भारत की झोली में आया एक और मेडल, ईशा ने 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीता सिल्वर

टोयोटा । भारत की निशानेबाज ईशा सिंह ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अत्यधिक दबाव के बीच ईशा ने गजब के मानसिक संतुलन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान उन्हें कई बार कठिन शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और दृढ़ संकल्प के साथ दूसरा स्थान हासिल कर देश को गौरवान्वित किया। एशियन गेम्स में ईशा का यह तीसरा सिल्वर मेडल है। इससे पहले उन्होंने हांगजो 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीता था। ईशा ने 580–22– के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए मुश्किल से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, मेडल राउंड शुरु होते ही भारतीय खिलाड़ी ने उस शुरुआती संघर्ष को पीछे छोड़ दिया और फाइनल की शुरुआत अपने पांच शॉट्स में पांच परफेक्ट हिट्स के साथ की। शुरुआती दौर में वह लीडर्स में बनी रही, लेकिन टॉप पर मुकाबला बार-बार कड़ा रहा। चीन की जिआो जिया रुइक्सु आन

लगातार परफेक्ट सीरीज के साथ आगे बढ़ गईं, जबकि उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक भी मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी रही। एलिमिनेशन राउंड में और भी उतार-चढ़ाव आए। तीन हिट्स के बाद ईशा स्टैंडिंग में नीचे खिसक गईं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 5६5 का स्कोर किया और खुद को मुकाबले में बनाए रखा। जब वियतनाम की ट्रिन्ह थू विन्ह बाहर हुईं, तो भारतीय खिलाड़ी का मेडल पक्का हो गया। इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला ईशा और किम के बीच शूट-ऑफ के एक असाधारण क्रम में बदल गया, क्योंकि दोनों 34 हिट्स पर बराबरी पर थीं। दोनों शूटर्स ने शुरुआत में तीन-तीन हिट्स किए, जिससे एक और शूट-ऑफ की स्थिति बन गई। एक तकनीकी रुकावट ने तनाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद सिंगल-शॉट की स्थिति के साथ मुकाबला फिर से शुरु हुआ। आखिरकार ईशा ने बाजी मारी और ब्रॉन्ज मेडल की स्थिति पक्की की और गोल्ड के लिए जिआो से मुकाबला करने का हक हासिल किया। फाइनल मुकाबला भी उतना

ही रोमांचक रहा। जिआो और ईशा के बीच सिर्फ एक हिट का अंतर था, तभी भारतीय खिलाड़ी ने चार हिट्स लगाकर एक और शूट-ऑफ की स्थिति बना दी। इसके बाद दोनों ने चार-चार हिट्स किए, जिससे मुकाबला एक और शूट-ऑफ में चला गया। गोल्ड मेडल बस मिलने ही वाला था कि ईशा ने दो हिट किए, जबकि शियाओ ने तीन हिट किए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। उनके कुल स्कोर 38 तक पहुंचे, जो 2023 में हांगजो एशियन गेम्स में चीन की लियू रुई द्वारा बनाए गए 38 हिट के गेम्स रिकॉर्ड के बराबर था। इस मेडल के साथ ईशा की तेजी से बढ़ती उपलब्धियों की सूची में एक और कामयाबी जुड़ गई है। भारतीय खिलाड़ी के नाम अभी महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने मई में म्यूनिख

वर्ल्ड कप में 43 हिट किए थे और वह अभी वर्ल्ड नंबर एक भी हैं। ईशा का सिल्वर मेडल भारत के लिए शूटिंग रैंज में



एक रोमांचक सुबह का समापन था, जो टीम फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया। टीम फाइनल में एक जरूरी टारगेट चूकने के कारण भारतीय महिलाएं पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय टीम में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर, एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट ईशा सिंह और कई बार की एशियन गेम्स की मेडलिस्ट राही सरनोबत शामिल थीं।

एशियन गेम्स 2026 भारतीय महिला पिस्टल टीम के हाथ लगी निराशा, सिर्फ ईशा ही बना पाई व्यक्तिगत फाइनल में जगह

टोयोटा । एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए पिस्टल इवेंट में निराशा हाथ लगी। सोमवार को आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट के फाइनल में भारतीय टीम पांचवें स्थान पर रही और मेडल नहीं जीत पाई। भारतीय

टीम में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर, एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट ईशा सिंह और कई बार एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली राही सरनोबत शामिल थीं। प्रिसिजन और रैपिड इवेंट्स में टीम का कुल स्कोर 1727–56– रहा और एक और मेडल हाथ से निकल गया। इसके अलावा, केवल ईशा ही व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालिफाई कर पाईं। वह आठवें स्थान पर रहीं। वहीं, मनु 11वें और राही 30वें स्थान पर रहीं। इस इवेंट में कुल 44 शूटर्स ने हिस्सा लिया था। केवल टॉप आठ शूटर्स को ही फाइनल के लिए क्वालिफाई करना था। ईशा ने चीनी ताइपे की येन-चिंग चेंग के साथ 580 प्वाइंट्स पर बराबरी की थी, लेकिन ज्यादा बुल्सआई हिट करने के कारण वह फाइनल में जगह



महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत फाइनल में जगह न बना पाने के कारण मनु का एशियन गेम्स का सफर बिना किसी मेडल के खत्म हुआ। वह क्वालिफिकेशन में 11वें स्थान पर रहीं। दो दिनों में प्रिसिजन और रैपिड राउंड में उनका कुल स्कोर

579–18– था। वहीं, राही का प्रदर्शन बहुत खराब रहा और वह 568–16– के स्कोर के साथ 30वें स्थान पर रहीं।

इससे पहले, मनु महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन 181.1 प्वाइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारत 10 मीटर एयर पिस्टल टीम मेडल भी नहीं जीत पाया और चौथे स्थान पर रहा। सोमवार को प्रिसिजन इवेंट में भारत के पास मेडल जीतने का अच्छा मौका था, जब ईशा और मनु ने रैपिड राउंड में 300 में से क्रमशः 290 और 292 प्वाइंट्स हासिल किए थे। हालांकि, राही की रैपिड सीरीज खराब रही। उन्होंने 100 में से सिर्फ 86 प्वाइंट ही हासिल किए।

कमजोर वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला, बैंकिंग और रियल्टी पर दबाव

मुंबई । कमजोर वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुला। सुह्र 9रू17 पर सेंसेक्स 52.96 अंक या 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,368.78 और निफ्टी 174.20 अंक या 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,966.30 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव फाइनेंशियल और रियल्टी स्टॉक्स पर देखा जा रहा था। सूचकांकों में निफ्टी ग्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनंशियल सर्विसेज करीब एक प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे।निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी

एंड गैस के करीब सभी सूचकांक लाल निशान में थे।लार्जकैप के



साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 624 अंक या 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,267 और निफ्टी

जाघ की चोट के कारण पाकिस्तान सीरीज से बाहर हुए जोस बटलर

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर जोस बटलर जाघ की चोट के कारण पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। आगामी नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बटलर को श्रीलंका के खिलाफ हेडिंग्ले में खेले गए मुकाबले के दौरान यह चोट लगी थी। चोट के बाद वह कुछ समय के लिए मैदान से बाहर चले गए थे, लेकिन बाद में दोबारा बल्लेबाजी करने उतरे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अभी उनकी चोट की सही स्थिति का पता लगाने में जुटा है।

हालांकि, मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कलम ने साफ कर दिया है कि बटलर अक्टूबर में पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे।मौजूद जानकारी के अनुसार, बटलर की गैरमौजूदगी में जॉर्डन कॉक्स को विकेटकीपिंग और मध्यक्रम में लंबा मौका मिल सकता है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के निर्णायक मुकाबले में कॉक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला एकदिवसीय अर्धशतक लगाया था। उन्होंने 52 गेंदों पर 76 रन बनाए थे। मैक्कलम ने

उनके प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि यह पारी उन्हें पाकिस्तान में अपनी क्षमता दिखाने का मौका देगी।मैक्कलम का मानना है कि अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए इंग्लैंड को टीम में मौजूद खिलाड़ियों की गहराई को लगातार परखना होगा।

उन्होंने 2015 के रग्बी विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड की टीम द्वारा अलग-अलग परिस्थितियों की तैयारी से प्रेरणा लेने की बात कही।

उन्होंने 2015 के रग्बी विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड की टीम द्वारा अलग-अलग परिस्थितियों की तैयारी से प्रेरणा लेने की बात कही।

